

टीएमयू में कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के छात्रों को सौर ऊर्जा का सघन प्रशिक्षण

ख़बरों की तह तक

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से सोलर एनर्जी टेक्नोलॉजी एंड एप्लीकेशन पर छह सप्ताह की वर्कशॉप में सौर ऊर्जा के मूल सिद्धांतों, सोलर फोटोवोल्टिक- पीवी तकनीक, सौर सेल एवम्



पैनलों की कार्यप्रणाली, इन्वर्टर, बैटरी, चार्ज कंट्रोलर सरीखे उपकरणों की उपयोगिता पर विस्तार से चर्चा की गई। केन्द्र सरकार के सूक्ष्म, लघु एवम् मध्यम उद्यम मंत्रालय- एमएसएमई की पहल के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स सर्विस एंड ट्रेनिंग सेंटर- ईएसटीसी, हल्द्वानी की ओर से हुई वर्कशॉप में ईएसटीसी के वरिष्ठ प्रशिक्षक श्री आदित्य चौधरी ने कहा, घरेलू और व्यावसायिक भवनों में रूफटॉप सोलर सिस्टम, कृषि क्षेत्र में सौर जल पंप, सोलर स्ट्रीट लाइटिंग और बड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में सौर प्रणालियों की स्थापना और रखरखाव में दक्ष तकनीकी विशेषज्ञों की मांग भी महत्वपूर्ण हो गई है। स्टुडेंट्स को सौर ऊर्जा तकनीक के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए कहा, ऑन ग्रिड सोलर सीधे हमारे एरिया के बिजली ग्रिड से जुड़ा होता है। हमारे उपयोग के अतिरिक्त बिजली सरकारी ग्रिड में सप्लाई हो जाती है। इस सिस्टम में बैटरी की जरूरत नहीं पड़ती है। यह ऑफ ग्रिड की तुलना में सस्ता होता है। हाइब्रिड सिस्टम दोनों का मिलाजुला रूप है। इसमें बैटरी और ग्रिड दोनों जुड़े होते हैं। उल्लेखनीय है, प्रशिक्षण के बाद सभी प्रतिभागियों की लिखित परीक्षा हुई, सफल प्रतिभागियों को एमएसएमई की ओर से सर्टिफिकेट्स भी दिए जाएंगे। वरिष्ठ प्रशिक्षक श्री चौधरी ने बताया, सोलर सिस्टम में टॉपकान, मोनोक्रिस्टलाइन, पॉलीक्रिस्टलाइन, थिनफिल्म टाइप और बाईफेसियल सोलर पैनल प्रयोग किए जाते हैं। आमतौर पर टॉपकान और मोनोक्रिस्टलाइन की दक्षता अधिक होती है। सौर प्रणालियों की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए समय-समय पर सोलर पैनल की साफ-सफाई बेहद जरूरी है। धूल की परत जमने से इसकी क्षमता कम हो जाती है। सोलर पैनल की स्थापना के समय इस बात को ध्यान में रखा चाहिए कि सूर्य की किरणें ज्यादा समय तक सीधे पैनल पर ही पड़े, जिससे ज्यादा विद्युत का उत्पादन हो सके। प्रशिक्षण में ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरणीय स्थिरता और पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने में सौर ऊर्जा की भूमिका के बारे में भी विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही स्टुडेंट्स को सौर प्रणालियों की कार्यक्षमता बढ़ाने, ऊर्जा उत्पादन को प्रभावित करने वाले कारकों और बैटरी के माध्यम से ऊर्जा भंडारण की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी गई। समापन समारोह में सीओई के वाइस प्रिंसिपल प्रो. प्रभात कुमार की उल्लेखनीय मौजूदगी रही। कार्यक्रम में समन्वयक डॉ. शुभेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. देबांजन रॉय, डॉ. राघवेंद्र तिवारी, रशांक मिश्रा, मयूर अग्रवाल के संग-संग कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। संचालन उमेश कुमार सिंह ने किया।

हिमाचल हाई कोर्ट ने समय सीमा बीतने पर खारिज किया केस

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि तलाक के बाद पति या उसके परिवार के पास स्त्रीधन का बकाया रहना एक ‘निरंतर अपराध’ नहीं माना जा सकता। अदालत ने कहा कि कानूनी रूप से पति-पत्नी का रिश्ता खत्म होने के बाद पत्नी को तीन साल की निर्धारित समयसीमा के भीतर ही स्त्रीधन की वापसी के लिए आपराधिक शिकायत दर्ज करवानी होगी। यह फैसला न्यायाधीश चिराग भानु सिंह ने आरोपित पूर्व पति द्वारा दायर आपराधिक पुनरीक्षण याचिका को खीकाार करते हुए सुनाया। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट द्वारा जारी समन और आरोप पत्र सहित पूरी आपराधिक कार्रवाई को रद्द कर दिया है।

एक साल बाद ही होगए थे अलग

पौड़ित महिला और याचिकाकर्ता की शादी साल 2007 में हुई थी, लेकिन विवाद के कारण वे 2008 से ही अलग रहने लगे थे। पूर्व पति ने क्रूरता और परित्याग के आधार पर अदालत से नौ अक्टूबर 2012 को तलाक की एकतरफा डिक्री हासिल कर ली थी। तलाक के करीब पांच साल बाद महिला ने 19 जुलाई 2017 को

शिमला के ट्रायल कोर्ट में आरोप लगाया कि उसका स्त्रीधन अभी भी पूर्व पति के पास है। हाई कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद स्पष्ट किया कि न्यायिक अलगाव में पति-पत्नी का कानूनी रिश्ता बना रहता है, इसलिए वहां स्त्रीधन रोकना एक निरंतर अपराध माना जा सकता है। लेकिन तलाक की डिक्री मिलते ही दोनों का कानूनी रिश्ता टूट जाता है।

तलाक के 5 साल बाद दर्ज की थी शिकायत

रिश्ता खत्म होने के बाद धारा 406 और 506 के तहत अधिकतम तीन साल की सजा का प्रविधान है। इसलिए सीआरपीसी की धारा 468 के तहत संज्ञान लेने की अवधि भी तीन वर्ष ही होगी। चूंकि यह शिकायत तलाक के पांच साल बाद दर्ज की गई थी, इसलिए कानूनन यह विचारणीय नहीं है। अदालत ने कहा कि महिला पूर्व में भरण-पोषण के लिए सिविल सूट और अन्य याचिकाएं दायर कर चुकी थीं।

3 दिन बाद फाइनैस कंपनी के ऑफिस में लाश मिली; 5 गिरफ्तार

लोन की किस्त नहीं चुकाई, एजेंट्स ने किसान को उठाया

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के नांदेड जिले में 40 साल के किसान चंद्रकांत शिंदे का शव मिला है। शव निजी फाइनैस कंपनी के ऑफिस में मिला। परिवार और ग्रामीणों का आरोप है कि लोन की किस्त नहीं चुकाने पर रिकवरी एजेंट्स ने चंद्रकांत को किडनैप किया था। तीन दिन बाद उनका शव मिला। चंद्रकांत शिंदे नांदेड जिले के मुदखेड तहसील के मलकोठा गांव के रहने वाले थे। पत्नी की शिकायत के अनुसार 22 अक्टूबर की शाम को दो अज्ञात लोगों ने उन्हें जबरन एक मोटरसाइकिल पर बैठाया और फाइनैस कंपनी ऑफिस ले गए।



हत्या का। नांदेड एसपी के मुताबिक पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें फाइनैस ऑपरेशन चलाने वाला मुख्य आरोपी असलम भी

इन्वेस्टिगेशन टीम (बनाई गई। फाइनैस कंपनी का ऑफिस सील कर दिया गया है और तीन जगह छापेमारी की गई है। रिकवरी एजेंटों की गिरफ्तारी और मुख्य आरोपी

सूखा प्रभावित गांवों में कर्ज की परेशानी

यह घटना नांदेड जिले के कुछ हिस्सों में किसानों की आर्थिक परेशानी के बीच हुई है। जिले के कई गांवों में सूखे जैसी स्थिति बताई जा रही है। रक़्स पूछा गया कि क्या सूखा प्रभावित इलाकों में किसानों से लोन वसूली को लेकर फाइनैस कंपनियों के लिए कोई खास गाइडलाइन जारी की गई है। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई आधिकारिक गाइडलाइन जारी नहीं की गई है। रक़्स ने कहा, ‘अगर कहीं गैरकानूनी तरीक़े से लोन वसूली हो रही है, तो नागरिक सामने आएँ। उचित कार्रवाई की जाएगी।’ पुलिस ने जयकुमार उर्फ़ ?भैया भगवान गायकवाड (22), शेख आमिर शेख साहेब हुसैन (25), इमरान खान शाहबाज खान (40) और शेख मुदर्रिसर शेख खादौर (24) को गिरफ्तार किया है।

कर्नाटक एमएलसी चुनाव में कांग्रेस का सूपड़ा साफ, चारों सीटों पर जीता भाजपा-जेडीएस गठबंधन

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक विधान परिषद चुनावों में राज्य की सत्ताधारी पार्टी कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। चुनावों में कांग्रेस अपना ख़ाता भी नहीं खोल पाई। वहीं भारतीय जनता पार्टी और जनता दल (सेक्युलर) के गठबंधन ने चारों सीटों पर जीत दर्ज की है। कर्नाटक में 23 अक्टूबर को चार सीट पर हुआ विधान परिषद का चुनाव। गठबंधन सहयोगियों के बीच तालमेल की परीक्षा के रूप में देखा जा रहा था। लेकिन इस चुनाव के नतीजों में ये गठबंधन 100 प्रतिशत नंबर से पास हुआ है। कर्नाटक एमएलसी चुनाव परिणामों से सामने आया है कि शिक्षकों और स्नातकों के बीच कांग्रेस भरोसा जीतने में कामयाब नहीं रही। वहीं भाजपा ने इस चुनाव में दबदबा कायम किया है। भाजपा ने उत्तर-पूर्व शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र, दक्षिण-पूर्व स्नातक निर्वाचन क्षेत्र और पश्चिम स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में जीत हासिल की। वहीं, उसके सहयोगी दल ने

बेंगलुरु शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में जीत दर्ज की। उत्तर-पूर्व शिक्षक सीट पर, दोबारा चुनाव लड़ रहे शशील जी. नमोशी ने कांग्रेस उम्मीदवार शरणप्पा मत्तूर को हराया। इस सीट पर बीजेपी उम्मीवार नमोशी की पांचवीं जीत थी। इस सीट के अंतर्गत कलबुर्गी आता है, जो कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का गृह क्षेत्र है। दक्षिण-पूर्व स्नातक सीट पर के.के.एम. सुरेश ने कांग्रेस के शशि हुलिकुटे मुड्ग की उम्मीदी पर पानी फेर दिया। पश्चिम स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में के.एस.वी. संकान्तर ने कांग्रेस के मोहन लिम्बिकाई को मात दी। चुनाव के नतीजों से कांग्रेस सरकार की स्थिरता पर कोई ख़ास असर पड़ने की संभावना नहीं है, लेकिन विपक्षी गठबंधन का मजबूत प्रदर्शन उसे 2023 में सत्ता में आई कांग्रेस सरकार पर हमला करने के लिए कुछ गति जरूर देगा। 75 सदस्यों वाली विधान परिषद में कांग्रेस के 38 सदस्य है, 6, एक निर्दलीय सदस्य और एक सभापति हैं।

उत्तर 11 नवंबर 19

19

सनातन धर्म की विशाल जनसभा का आयोजन

ख़बरों की तह तक

मानघात। शहर के कंपनी बाग में 30 अक्टूबर को सुबह 11 बजे से सनातन धर्म की विशाल जनसभा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक कुंदन सिंह ने सभी सनातनी परिवारों से जनसभा में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की है। इस आयोजन का उद्देश्य लोगों को धर्म, संस्कृति और भारतीय परंपराओं के प्रति जागरूक करना तथा युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना है। जनसभा में गो पूजन और गणेश पूजन के साथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का संदेश दिया जाएगा। आयोजक कुंदन सिंह ने कहा कि सनातन धर्म केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, संस्कारों और जीवन मूल्यों की महत्वपूर्ण धरोहर है। इसकी परंपराओं को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना और युवाओं को अपनी जड़ों से परिचित कराना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से कंपनी बाग में इस जनसभा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सनातनी परिवारों, युवाओं, व्यापारियों, विद्यार्थियों और समाज के सभी वर्गों से कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। **गो पूजन और गणेश पूजन से होगा कार्यक्रम का शुभारंभ** जनसभा में गो पूजन और गणेश पूजन को विशेष महत्व दिया जाएगा। भारतीय परंपरा में गो पूजन को आस्था, सेवा और संरक्षण के भाव से जोड़ा जाता है, जबकि गणेश पूजन को शुभ कार्यों के आरंभ का प्रतीक माना जाता है। इन धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से श्रद्धालुओं को अपनी परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

देश

संक्षिप्त

समाचार

बागेश्वर धाम में इशिका तनेजा ने प्रस्तुत किया श्री महालक्ष्मी धाम का संकल्प

बागेश्वर,एजेंसी। बागेश्वर धाम में आयोजित भारतीय सनातनी युवा शक्ति कॉन्वलेव एवं अवॉर्ड्स 2026 में श्री महालक्ष्मी ट्रस्ट की



संस्थापक इशिका तनेजा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और श्री महालक्ष्मी धाम का संकल्प प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उन्होंने परम पूज्य पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज को मां महालक्ष्मी का स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। महाराज जी ने इशिका के सनातन धर्म और समाज सेवा के प्रयासों की सराहना की तथा उन्हें मार्च में आयोजित होने वाले कन्या विवाह कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया। इशिका तनेजा की परिकल्पना मां लक्ष्मी की शक्ति को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने की है। श्री महालक्ष्मी गुरुकुल में बेटियों को सनातन संस्कारों के साथ एआई और रोबोटिक्स की शिक्षा देने की योजना है। श्री महालक्ष्मी कन्या अनाथालय के माध्यम से बाल तस्करी और शोषण से प्रभावित बच्चियों को सुरक्षित आश्रय, शिक्षा और बेहतर भविष्य देने का लक्ष्य है। श्री महालक्ष्मी गौशाला में बेसहारा गायों और नर गोवंश की देखभाल की जाएगी। साथ ही, महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर देकर आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया जाएगा। बागेश्वर धाम में इशिका ने गौशाला और कैसर अस्पताल से जुड़े सेवा कार्यों का भी अवलोकन किया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. गौरव शर्मा और मनप्रीत कौर दीदी ने किया। इसमें अनेक संत-महात्मा, धार्मिक व्यक्तित्व और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स शामिल हुए।

‘रामायण’ में भगवान राम का किरदार निभाना एक ‘बहुत बड़ी जिम्मेदारी’ थी: रणबीर कपूर

मुंबई, एजेंसी। अभिनेता रणबीर कपूर ने कहा है कि आगामी सिनेमाई महाकाव्य ‘रामायण’ में



भगवान राम का किरदार निभाना उनके लिए सिर्फ एक भूमिका नहीं, बल्कि एक गहरी जिम्मेदारी थी। अभिनेता ने यह भी स्वीकार किया कि इस भूमिका का प्रस्ताव मिलने पर उनकी पहली प्रतिक्रिया डर और आत्म-संशय की थी।

लोकप्रिय किंग रिजलिटी शो कौन बनेगा करोड़पती के दिवाली स्पेशल एपिसोड के दौरान, जिसकी मेजबानी मेगास्टार श्री अमिताभ बच्चन कर रहे थे, अभिनेता ने इस प्रतिष्ठित किरदार की तैयारी के अपने सफर के बारे में खुलकर बात की इस आइकॉनिक भूमिका के मिलने और उससे जुड़ी अपनी शुरुआती आशंकाओं को याद करते हुए, रणबीर कपूर ने होस्ट श्री अमिताभ बच्चन से कहा, सर जब मुझे ये रोल ऑफर हुआ, मैं जानता था कि ये सिर्फ एक रोल नहीं है, ये एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी। मेरा जो पहला इंस्टिंक्ट था वो डर था, डर था, की क्या मैं इसके काबिल हूँ, क्या मैं ये कर पाऊंगा, प्रभु श्री राम से करोड़ो लोगों की आस्था जुड़ी हुई है.. (सर, जब मुझे यह रोल ऑफर हुआ, तो मैं जानता था कि यह सिर्फ एक रोल नहीं है, बल्कि एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी। मेरी पहली प्रतिक्रिया डर की थी, यह डर कि क्या मैं इसके काबिल हूँ, क्या मैं इसे निभा पाऊंगा।जो उनकी निजी जिंदगी के एक महत्वपूर्ण पड़ाव के साथ भी जुड़ा था, उन्होंने आगे कहा, पर बहुत जल्दी सर ये, ये जो डर था वो आभार में बदला, कि मुझे इस मुकाम में, मेरी जिंदगी की इस उम्र में, मुझे ये मौका मिल रहा है, एक अच्छा एक्टर बनने का।... भूल जाओ एक्टर सर, एक अच्छा इंसान बनने का चांस... उसी दौरान सर, मैं पहली बार पिता बना, मेरी बेटी रहा का जन्म हुआ... तो मैं यही मानता हूँ कि यह भगवान का तोहफा था सर, कि मुझे एक बेहतर इंसान बनने का मौका मिला, गहराई से रामायण को समझने का मौका मिला, इन सब लोगों के साथ, खूबसूरत लोगों के साथ काम करने का मौका मिला.. (लेकिन बहुत जल्द, सर, यह जो डर था।

जोधपुर केंद्रीय कारागार के प्रहरी बनवारीलाल की ओर से मंगलवार रात को रिपोर्ट दी गई

समय पर जेल में सरेंडर नहीं करने पर आसाराम के खिलाफ मामला दर्ज

जोधपुर , एजेंसी। पैरोल पर रिहा होने के बाद तय समय पर जेल नहीं पहुंचने पर रतानाड़ा थाने में आसाराम के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. थानाधिकारी जुल्फिकार ने बताया कि जेल से मिली रिपोर्ट पर आसाराम के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. जोधपुर केंद्रीय कारागार के प्रहरी बनवारीलाल की ओर से मंगलवार रात को रिपोर्ट दी गई, जिसमें बताया गया कि बंदी आसाराम को हाईकोर्ट के आदेश पर 50000 के निजी मुचलके पर 20 दिन की पैरोल पर छोड़ा गया था. 27 अक्टूबर की शाम 5 तक जेल में आकर उसे वापस समर्पण करना था, लेकिन बंदी तय समय पर जेल नहीं पहुंचा. ऐसे में बंदी आसाराम के विरुद्ध कारागार अधिनियम की धारा 58 (ख) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार करें. मामले के अनुसार आसाराम उपचार के लिए उज्जैन के अस्पताल में भर्ती था. उसे मंगलवार शाम को जेल में आना था. उसे उम्मीद



थी कि सुप्रीम कोर्ट और राजस्थान हाईकोर्ट से राहत मिल जाएगी, लेकिन दोनों जगह पर उसे राहत नहीं मिली. इसके बाद उसके वकील शाम को जेल पहुंचे

और सरेंडर करने के लिए मोहलत मांगी. इसके तहत आसाराम रात करीब 10:15 बजे एयर एंबुलेंस से जोधपुर पहुंचा था, लेकिन रात को नियमनुसार बंदी को प्रवेश नहीं दिया जा सकता है. इसके चलते उसे अंदर नहीं लिया गया था, जिसके बाद वह आरोप्य अस्पताल चला गया था. इस दौरान उसके खिलाफ रिपोर्ट दी गई गई, जिस पर मामला दर्ज हुआ है. आसाराम आज सरेंडर कर सकता है. इसके चलते उसके भक्त भी जेल के आस पास एकत्र होने लगे हैं. तीन साल की सजा और जुर्माने का प्रावधान : राजस्थान सरकार ने वर्ष 2015 में राजस्थान कारागार अधिनियम की धाराओं में संशोधन किया था. इसके तहत धारा 58 में इससे मंदिर की शैंौ और बंदी के वापस नहीं आने पर दिए जाने वाले दंड का प्रावधान भी किया गया. धारा 58 की उपधारा (ख) के तहत बंदी निर्धारित समय पर जेल में वापस नहीं आता या पैरोल पर रिहाई की अन्य शर्तों का पालन

नहीं करता तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जा सकती है. ऐसी स्थिति में, पुलिस अधिकारी उसे गिरफ्तार कर सकता है. दोषसिद्ध होने पर उसे तीन वर्ष तक के कारावास की सजा हो सकती है. अधिकतम 3,000 रुपए का जुर्माना लगाया जा सकता है. कारावास और जुर्माना, दोनों की सजा भी दी जा सकती है.

दोबारा पैरोल मिलना होगा मुश्किल : पैरोल मिलने के बाद अगर बंदी नियमों की पालना नहीं करता है तो उसे दोबारा पैरोल मिलने में काफी परेशानी आती है. आसाराम को पहली बार राजस्थान हाईकोर्ट के निर्देश पर 20 दिन की पैरोल मिली थी, लेकिन वह सही समय पर वापस नहीं आया. ऐसे में दोबारा पैरोल लेने के लिए काफी परेशानी हो सकती है. गुजरात हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट और राजस्थान हाईकोर्ट में आसाराम की इसको लेकर याचिकाएं भी लंबित हैं.

मौसम में बदलाव के साथ पंजाब के स्कूलों में बदला समय, दोनवंबर से सुबह 9 बजे खुलेंगे स्कूल

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में ठंड के मौसम को ध्यान में रखते हुए 2 नवंबर से स्कूलों के समय में बदलाव किया जाएगा। शिक्षा विभाग के नए शेड्यूल के अनुसार सभी सरकारी, प्राइवेट, एडेड और मान्यता प्राप्त स्कूल सुबह 9 बजे खुलेंगे। प्राइमरी स्कूल दोपहर 3 बजे तक चलेंगे, जबकि मिडिल से सीनियर सेकेंडरी तक के स्कूल दोपहर 3:20 बजे तक लगेगे। स्कूलों के समय में यह बदलाव 28 फरवरी तक लागू रहेगा। इसके बाद 1 मार्च से समय में फिर बदलाव किया जाएगा। पंजाब में 19 हजार से अधिक स्कूल हैं, जिन पर यह व्यवस्था लागू होगी। शैक्षणिक सत्र में तीन बार बदलाव है समय पंजाब में मौसम के अनुसार शैक्षणिक सत्र के दौरान स्कूलों के समय में तीन बार बदलाव किया जाता है। 1 अप्रैल से 30 सितंबर तक स्कूल सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक लगते हैं। इसके बाद 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक प्राइमरी स्कूल सुबह 8:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक चलते हैं। वहीं, मिडिल से सीनियर सेकेंडरी तक के स्कूल सुबह 8:30 बजे से दोपहर 2:50 बजे तक लगते हैं। अब 2 नवंबर से नया शेड्यूल लागू होने के साथ सभी स्कूल सुबह 9 बजे खुलेंगे। प्राइमरी स्कूलों में दोपहर 3 बजे और मिडिल से सीनियर सेकेंडरी तक के स्कूलों में दोपहर 3:20 बजे छुड़ी होगी।



संक्षिप्त खबर

12 वर्षों बाद शुरू हुई दिव्यांग पेंशन, भुगतान का इंतजार

खबरों की तह तक

मधुपुर। करीं प्रखंड के पाथरील निवासी 35 वर्षीय मूक-बधिर सोहन कुमार साह की 12 वर्षों से बंद दिव्यांग पेंशन आखिरकार दोबारा चालू कर दी गई है। प्रखंड प्रशासन ने मामले में संज्ञान लेते हुए पेंशन शुरू करने की पुष्टि की है। हालांकि, फिलहाल पेंशन की राशि लाभुक के खाते में नहीं पहुंची है। परिजनों के अनुसार, सोहन कुमार साह जन्म से ही मूक-बधिर हैं। वे न बोल सकते हैं और न ही सुन सकते हैं। बचपन से करीब 15 वर्षों तक उन्हें सरकारी पेंशन का लाभ मिलाता रहा, लेकिन लगभग 12 वर्ष पहले अचानक पेंशन बंद हो गई। इसके बाद से परिवार लगातार पेंशन दोबारा शुरू कराने के लिए प्रयासरत था।

कई जगह लगाई थी गुहार

पेंशन बंद होने के बाद परिजनों ने स्थानीय विधायक सह मंत्री हफीजुल हसन, देवघर के उपयुक्त, मधुपुर अनुमंडल पदाधिकारी और सामाजिक कोषांग से गुहार लगाई थी। परिजनों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से संपर्क किया, लेकिन अब तक उन्हें केवल आश्वासन ही मिलता रहा।

दिव्यांगता और परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण सोहन के परिजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। लंबे समय से पेंशन बंद रहने के कारण परिवार को आर्थिक सहायता नहीं मिल पा रही थी।

वीडीओ ने की पेंशन चालू होने की पुष्टि

इस संबंध में करीं के प्रखंड विकास पदाधिकारी ऋषि राज ने बताया कि पाथरील निवासी सोहन कुमार साह की दिव्यांग पेंशन चालू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पेंशन की राशि उपलब्ध नहीं हुई है। राशि प्राप्त होते ही लाभुक को भुगतान कर दिया जाएगा।

पेंशन दोबारा शुरू होने से परिवार को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, अब परिजनों को पेंशन की राशि खाते में आने का इंतजार है, ताकि उन्हें आर्थिक सहायता मिल सके।

अर्नब चक्रवात का असर, दिनभर छाए रहे बादल, कहीं-कहीं हुई बूदाबांदी

खबरों की तह तक

देवघर। अर्नब चक्रवात के प्रभाव से चितरा और आसपास के क्षेत्रों में बुधवार को मौसम का मिजाज बदला नजर आया। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और दिनभर धूप का असर कम रहा। वहीं, क्षेत्र के कुछ स्थानों पर हल्की बूदाबांदी भी हुई, जिससे तापमान और वातावरण में बदलाव महसूस किया गया।

दिनभर आसमान में बादल छाए रहने से लोगों को धूप की तपिश से राहत मिली। वातावरण में नमी बढ़ने के कारण मौसम सुहावना बना रहा। मौसम में आए इस बदलाव का असर आम जनजीवन पर भी देखने को मिला। हालांकि, हल्की बूदाबांदी के कारण कुछ लोगों को अपने दैनिक कार्यों के दौरान मौसम को ध्यान में रखना पड़ा।

कृषि कार्यों पर भी टिकी निगाहें

ग्रामीण क्षेत्रों में भी मौसम के बदले मिजाज को लेकर चर्चा होती रही। किसानों के लिए मौसम में यह बदलाव महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हल्की बारिश कुछ परिस्थितियों में फसलों के लिए लाभकारी हो सकती है, जबकि लगातार बारिश होने पर खेतों में चल रहे कृषि कार्य प्रभावित होने की आशंका रहती है।

फिलहाल, चितरा और आसपास के इलाकों में बादलों की मौजूदगी और छिटपुट बूदाबांदी से मौसम में बदलाव देखने को मिला। आने वाले दिनों में मौसम का रुख कैसा रहेगा, इसे लेकर लोगों की निगाहें आसमान पर टिकी हैं। चक्रवात के प्रभाव और आगामी मौसम की स्थिति के संबंध में अधिकारिक जानकारी के लिए मौसम विभाग के पूर्वानुमान और चेतावनियों पर ध्यान देना जरूरी है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के देवघर आगमन को लेकर उच्चस्तरीय बैठक

2 नवंबर को होगा राज्यस्तरीय विधिक सेवा-सह-सशक्तीकरण शिविर

खबरों की तह तक

देवघर। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के आगामी देवघर दौरे को लेकर बुधवार, 28 अक्टूबर 2026 को व्यवहार न्यायालय परिसर में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कौशल किशोर झा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था और विधि-व्यवस्था की समीक्षा की गई।

बैठक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कौशल किशोर झा ने बताया कि मुख्य न्यायाधीश के देवघर आगमन के अवसर पर व्यवहार न्यायालय परिसर में 'स्टेट लेवल लीगल सर्विसेज-कम-ड्रमॉवरमेंट कैप' का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।



सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर विशेष जोर

बैठक में उपयुक्त सह जिला दंडाधिकारी सोरभ कुमार भुवानिया ने मुख्य न्यायाधीश के आगमन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से की जा रही सुरक्षा और विधि-व्यवस्था संबंधी तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद व्यवहार न्यायालय परिसर में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम को लेकर

प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी सतर्क रहेंगे।

वहीं, पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर ने सुरक्षा व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए शहर की यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए तैयार किए गए रूट चार्ट और पुलिस बलों की तैनाती की रूपरेखा से अधिकारियों को अवगत कराया।

कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

बैठक के बाद प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कौशल किशोर झा,

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सोरभ कुमार भुवानिया, पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर सहित अन्य अधिकारियों ने व्यवहार न्यायालय परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान 2 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय विधिक सेवा-सह-सशक्तीकरण शिविर की तैयारियों, पंडाल निर्माण, मंच व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया गया।

अधिकारियों ने मौके पर मौजूद संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए, ताकि कार्यक्रम का आयोजन व्यवस्थित और सुचारु रूप से किया जा सके।

बैठक में जिले के न्यायाधीशों, अपर समाहती, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों और संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

पालाजोरी में होने वाली बैठक को लेकर जेएलकेएम का जनसंपर्क अभियान



खबरों की तह तक

देवघर। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के जिला महासचिव पवन कुमार उर्फ विक्की भाई लगातार पालाजोरी में आगामी 2 नवंबर को होने वाली बैठक की तैयारी को लेकर कार्यकर्ताओं से सम्पर्क कर रहे हैं। इसी क्रम में ग्रामीण जनता से भी मुलाकात कर पार्टी के सिद्धांतों और केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो की राज्य के प्रति विजन को लोगों के बीच रख रहे हैं। बताते चलें कि आगामी आहूत इस बैठक में पालाजोरी प्रखंड कमिटी का विस्तार को लेकर मुख्य रूप से चर्चा की जाएगी और इसे मूर्त रूप दिया जाएगा। इसी क्रम में बुधवार को पवन कुमार हड़दोपा, तगड़ भंगा, बलियापुर आदि गांवों का दौरा कर लोगों से संपर्क स्थापित किया। वहीं इस सम्बंध में पवन कुमार ने कहा कि पार्टी की नीति और सिद्धांतों को झारखंड की एक एक जनता तक पहुंचाना साथ ही पार्टी में ज्यादा से ज्यादा महिला और युवा को जोड़ना मुख्य उद्देश्य है, ताकि पार्टी अध्यक्ष जय राम महतो के उद्देश्य, झारखण्ड निर्माण के बाद कि जाने वाली विकास के सपनों को साकार किया जा सके जो अब तक नहीं हुआ है। क्षेत्र भ्रमण के दौरान पार्टी प्रखंड अध्यक्ष, लखी राम महतो, मुरारी महतो, सचिव राजेश यादव, कपिल महतो सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

करवा चौथ, पति-पत्नी के प्रेम, विश्वास, समर्पण और अखंड सौभाग्य का है : डॉ. प्रदीप

खबरों की तह तक

देवघर। करवा चौथ हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो पति-पत्नी के प्रेम, विश्वास, समर्पण और अखंड सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। मौके पर स्थानीय विवेकानंद शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान के केंद्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव ने करवा चौथ के संदर्भ में कहा- इस दिन विवाहित महिलाएँ अपने पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और खुशहाल वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए व्रत रखती हैं। उत्तर भारत, विशेषकर उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और मध्य प्रदेश में इस पर्व को विशेष उत्साह के साथ मनाया जाता है। बदलते समय के साथ भारत के अन्य क्षेत्रों में भी करवा चौथ की लोकप्रियता बढ़ी है। वर्ष 2026 में करवा चौथ का व्रत गुरुवार, 29 अक्टूबर को रखा जाएगा। इस दिन कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि है। पंचांग के अनुसार, नई दिल्ली के लिए पूजा और व्रत के प्रमुख समय इस प्रकार हैं : करवा चौथ की तिथि- 29 अक्टूबर

2026, गुरुवार ; चतुर्थी तिथि प्रारंभ: 29 अक्टूबर, प्रातः लगभग 1:06 बजे। पूजा का शुभ मुहूर्त: सायं 5:38 बजे से 6:56 बजे तक, व्रत का समय: प्रातः सूर्योदय से चंद्रोदय तक। चंद्रोदय का अनुमानित समय: रात्रि लगभग 8:17 बजे। ध्यान रहे कि ये समय मुख्यतः नई दिल्ली के पंचांग पर आधारित हैं। देवघर, कोलकाता, पटना तथा अन्य शहरों में चंद्रोदय और पूजा के समय में कुछ अंतर हो सकता है। इसलिए अपने स्थानीय पंचांग के अनुसार समय की पुष्टि करना उचित होगा। करवा चौथ का धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व- करवा चौथ का धार्मिक महत्व भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान गणेश और चंद्रदेव की पूजा से जुड़ा हुआ है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माता पार्वती ने कठोर तपस्या करके भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त किया था। इसलिए माता पार्वती को अखंड सौभाग्य और दीर्घायु सुख की प्रतीक माना जाता है। करवा चौथ के दिन महिलाएँ माता पार्वती से अपने वैवाहिक जीवन में प्रेम, स्थिरता और सुख-शांति बनाए रखने की प्रार्थना



करती हैं। इस पर्व में 'करवा' अर्थात् मिट्टी के छोटे पात्र का विशेष महत्व है। इसी पात्र में जल भरकर चंद्रदेव को अर्घ्य दिया जाता है। 'चौथ' का अर्थ चतुर्थी तिथि से है। इस प्रकार करवा चौथ का नाम इसके धार्मिक अनुष्ठानों और तिथि दोनों से संबंधित है। यह त्योहार केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय परिवार व्यवस्था, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को भी मजबूत करता है। महिलाएँ एकत्र होकर पूजा

करती हैं, व्रत कथा सुनती हैं और एक-दूसरे को शुभकामनाएँ देती हैं। करवा चौथ के दिन व्रत रखने वाली महिलाएँ प्रातःकाल सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करती हैं और परंपराानुसार सरगी ग्रहण करती हैं। सरगी में फल, मिठाई, सूखे मेवे तथा अन्य खाद्य पदार्थ शामिल किए जाते हैं। इसके बाद महिलाएँ अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखा था। भूख-प्यास से व्याकुल होने पर उनके भाइयों ने उन्हें भ्रमित करने के लिए कृत्रिम चंद्रमा दिखा दिया। वीरावती ने उसे वास्तविक चंद्रमा समझकर व्रत खोल लिया। इसके बाद उनके जीवन में विपत्ति आई। अंततः अपनी श्रद्धा, प्रार्थना और व्रत की पुनःपुष्टि

के माध्यम से उन्होंने अपने पति के कल्याण की कामना की। यह कथा धैर्य, श्रद्धा और संकल्प के महत्व को दर्शाती है। आधुनिक समाज में करवा चौथ का संदेश- आज करवा चौथ का स्वरूप पहले की तुलना में अधिक व्यापक हो गया है। अनेक परिवारों में पति भी अपनी पत्नी के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त करते हैं। कुछ दंपती एक-दूसरे के साथ उपवास रखकर इस पर्व को परस्पर सहयोग और समानता का प्रतीक बनाते हैं। हालाँकि व्रत रखना व्यक्तिगत आस्था और इच्छा का विषय है। स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर कठोर निजला उपवास करने से पहले चिकित्सकीय सलाह लेना उचित है। वास्तव में करवा चौथ का मूल संदेश प्रेम, विश्वास, त्याग, समर्पण और पारिवारिक सद्भाव है। यह पर्व हमें सिखाता है कि वैवाहिक जीवन की वास्तविक सुंदरता केवल रस्मों में नहीं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान, समझदारी, सहयोग और जिम्मेदारी में निहित है। करवा चौथ 2026 के पवन अवसर पर सभी दंपतियों के जीवन में प्रेम, सुख, शांति, समृद्धि और मधुरता बनी रहे।

KKTT NEWS

खबरों की तह तक

निडर और निष्पक्ष

हमसे डिजिटल के माध्यम से जुड़ें!

हम तक आसानी से पहुंचें

हर अपडेट सबसे पहले पाएं

हर खबर पर रहे आपकी नजर

जुड़े और बने रहें अपडेट!

WhatsApp से जुड़ें

न्यूज़ और अपडेट सीधे पाएं

Facebook पर फॉलो करें

ताजा खबरें और लाइव अपडेट देखें

YouTube पर सब्सक्राइब करें

वीडियो न्यूज़ और विशेष रिपोर्टें देखें

Website पर विजिट करें

हर खबर, हर अपडेट एक क्लिक पर

सच्ची खबर जनता के लिए

हर खबर गहराई से

आपके मुद्दे हमारी आवाज़

लाइव अपडेट सबसे पहले

निडर और निष्पक्ष सच की पहचान

www.khabronkitahtak.com

kktt.in

KKTT News

KKTT News

9471359705

झारखंड

संक्षिप्त समाचार

स्कूल में मिड-डे मील बनाते समय सिलेंडर में लगी आग



कोडरमा,एजेंसी। कोडरमा जिले के सतगांवां थाना क्षेत्र के उत्कर्मित मध्य विद्यालय समलडीह में बुधवार को एक बड़ा हादसा टल गया। मिड-डे मील बनाते समय गैस सिलेंडर में आग लग गई, जिससे स्कूल में अफरातफरी मच गई। रसोइया के अनुसार, उन्हें रेगुलेटर से गैस लीकेज की बदबू आई। जब उन्होंने रेगुलेटर ठीक करने की कोशिश की, तो वह प्रेशर से उछल गया और गैस तेजी से निकलने लगी। देखते ही देखते गैस ने आग पकड़ ली। गनीमत रही कि इस आगजनी में प्राचार्य के अलावे सभी बच्चे व शिक्षक-शिक्षिकाएं सुरक्षित बच गईं। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही बीडीओ मनोज कुमार रवि उक्त विद्यालय पहुंचे और मामले की जाकारी ली। वहीं, बीडीओ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर प्राचार्य का हालचाल भी जाना।

हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम,एजेंसी। बर्मामाईस थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक देशी कट्टा, पांच गोलियां और एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किया गया है। गिरफ्तार युवक की पहचान कैरेज कॉलोनी की मुस्लिम बस्ती निवासी मो. इरफान (20) के रूप में हुई है। पुलिस को आशंका है कि युवक हथियार के साथ किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। पूछताछ के दौरान उसने हथियार और गोलियां मो. शाहिद नामक व्यक्ति द्वारा दिए जाने की बात कही है। मंगलवार को नगर पुलिस अधीक्षक ललित मीणा ने प्रेस वार्ता में बताया कि 26 अक्टूबर को वरीय पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि बर्मामाईस थाना क्षेत्र के रेलवे कंटेनर यार्ड के आसपास एक युवक अवैध देशी कट्टा और गोलियां लेकर घूम रहा है। सूचना में यह भी आशंका जताई गई थी कि युवक किसी अप्रिय घटना को अंजाम देने की तैयारी में है। सूचना मिलने के बाद नगर पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रेलवे कंटेनर यार्ड के पास छापेमारी की। इसी दौरान पुलिस को देखकर एक युवक भागने लगा। पुलिस अधिकारियों और जवानों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक देशी कट्टा, पांच गोलियां और एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में मो. इरफान ने बताया कि बरामद हथियार और गोलियां कैरेज कॉलोनी की मुस्लिम बस्ती निवासी मो. शाहिद (32) की हैं। युवक ने दावा किया कि शाहिद ने ही उसे हथियार और गोलियां दी थीं तथा उसके कहने पर वह उन्हें लेकर जा रहा था। पुलिस अब युवक के बयान के आधार पर मामले की जांच कर रही है और हथियार उपलब्ध कराने में कथित रूप से शामिल व्यक्ति की भूमिका की पड़ताल की जा रही है।
जगन्नाथपुर में पति ने की पत्नी की हत्या आरोपी पति गिरफ्तार

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर के जित्नुगाड़ा गांव में बुधवार सुबह एक महिला की हत्या हो गई। आरोप है कि पति मंगल सिंकू ने 35 वर्षीय पत्नी सलमी सिंकू के सिर पर गैता से कई बार किए। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है। ग्रामीणों के अनुसार, घटना बुधवार सुबह करीब चार बजे हुई। घर का दरवाजा बंद कर सलमी पर हमला किया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। जगन्नाथपुर पुलिस ने गांव पहुंचकर शव पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राफेल मुर्मू ने भी जानकारी ली। घर छोड़कर चला गया था कहीं मंगल सिंकू कुछ दिनों से अजीब व्यवहार कर रहा था। वह तीन दिन पहले घर छोड़कर कहीं चला गया था और परिजन उसे सोमवार को वापस लाए थे।

डेवलपमेंट वर्क और कोहरे से ट्रेनों पर असर

कोहरे के कारण झांसी-कोलकाता एक्सप्रेस की 26 यात्राएं रद्द, कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव



कोहरे के कारण झांसी-कोलकाता एक्सप्रेस की 26 यात्राएं रद्द: सर्दियों में

कोहरे के कारण 1 दिसंबर 2026 से 28 फरवरी 2027 तक कुछ ट्रेनों का परिचालन

प्रभावित रहेगा। ट्रेन संख्या 22198 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कोलकाता एक्सप्रेस की 4 दिसंबर से 26 फरवरी के बीच निर्धारित 13 यात्राएं रद्द रहेंगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 22197 कोलकाता-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी एक्सप्रेस की 6 दिसंबर से 28 फरवरी के बीच निर्धारित 13 यात्राएं नहीं चलेंगी।

इसके अलावा ट्रेन संख्या 12177 हावड़ा-मथुरा एक्सप्रेस की 4 दिसंबर से 26 फरवरी के बीच निर्धारित 13 यात्राएं आगरा-मथुरा के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेंगी। ट्रेन संख्या 12178 मथुरा-हावड़ा एक्सप्रेस की 7 दिसंबर से 22 फरवरी के बीच निर्धारित 12 यात्राएं मथुरा-आगरा के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेंगी। यात्रियों को इस अवधि में यात्रा की योजना बनाते समय इन बदलावों का ध्यान रखने की जरूरत है।

23 दिसंबर को कुंभ एक्सप्रेस

रीशेड्यूल, दुरंतो बदले रास्ते से चलेगी: आसनसोल मंडल में दुर्गापुर के आर्च बिज संख्या 396 को हटाने और अंडाल में फुट ओवर बिज के गर्डर लगाने का काम 23 दिसंबर को किया जाएगा। इसके कारण ट्रेन संख्या 13037 हावड़ा-देहरादून कुंभ एक्सप्रेस उस दिन 150 मिनट यानी ढाई घंटे पुनर्निर्धारित समय से चलेगी।

वहीं, ट्रेन संख्या 12260 बीकानेर-सियालदह दुरंतो एक्सप्रेस 22 दिसंबर को परिवर्तित मार्ग से चलेगी। यह ट्रेन पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, गया, किऊल, भागलपुर, गुमानी, रामपुरहाट, सैंथिया और खाना जंक्शन होकर चलेगी। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे संबंधित तारीखों में अपनी ट्रेन का समय और मार्ग जांचकर ही स्टेशन पहुंचें, ताकि किसी तरह की असुविधा से बचा जा सके।

लातेहार में स्कॉर्पियो-ऑटो की जोरदार टक्कर,4 घायल 2 की हालत गंभीर, सख्ती बेचकर घर लौट रहे थे सभी, रिस्म रेफर

लातेहार, एजेंसी। लातेहार के चंदवा थाना क्षेत्र में एनएच-39 के पास बोरसीदाग में स्कॉर्पियो और ऑटो के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में ऑटो सवार चार लोग घायल हो गए। इनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों की पहचान बैजनाथ महतो (60), शिवनारायण साहू (45), अवध साव (45) और ऑटो चालक नेसार अंसारी (45) के रूप में हुई है। सभी लोहरदगा के कुडू थाना क्षेत्र के उडुमुड़ी बारीडीह के रहने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, चारों ऑटो से चंदवा बाजार में सख्ती बेचने आए थे। बाजार में सख्ती बेचने के बाद वे अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बोरसीदाग के पास स्कॉर्पियो ने उनके ऑटो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो का आला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-



तफरी मच गई।

ऑटो में फंसा चालक, पुलिस और ग्रामीणों ने निकाला: दुर्घटना में ऑटो चालक नेसार अंसारी वाहन के अंदर ही फंस गए। उन्हें निकालने में पुलिस और स्थानीय लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। घटना की सूचना मिलते ही चंदवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से चालक को ऑटो से बाहर निकाला गया। इसके बाद सभी चारों घायलों को

इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल अवध साव और नेसार अंसारी को बेहतर इलाज के लिए रिस्म, रांची रेफर कर दिया गया। थाना प्रभारी बोले-

दुर्घटना की जांच की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही चंदवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से चालक को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिस्म रेफर किया गया है।

मधुपुर में सेना के जवान के बंद घर में चोरी

सोने-चांदी के जेवर और 20 हजार

नकद उड़ाए, ग्रामीणों ने दो सदियों

को पकड़ा, पुलिस को सौंपा

गिरिडीह, एजेंसी। देवघर के मधुपुर थाना क्षेत्र में सेना के जवान के बंद घर को चोरों ने निशाना बनाया। पहाड़पुर फौजी मोड़ के पास भारतीय सेना में कार्यरत जवान अब्दुल रज्जाक के घर का ताला तोड़कर चोरों ने सोने-चांदी के आभूषण, 20 हजार रुपए नकद समेत अन्य सामान चोरी कर लिया। हालांकि, पड़ोस के एक युवक की सतर्कता से दो सदियों ग्रामीणों के हथ्ये चढ़ गए। ग्रामीणों ने दोनों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। जवान की पत्नी इशरात जबीन ने मधुपुर थाने में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। आवेदन के अनुसार, परिवार घर में ताला लगाकर रिश्तेदारी में गया था। इसी दौरान अज्ञात लोग मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर में घुस गए। इसके बाद उन्होंने अलमारी से कीमती सामान निकालना शुरू कर दिया।

पड़ोसी युवक ने देखा टूटा ताला, शोर मचाकर ग्रामीणों को बुलाया: घर के पास रहने वाले अली उमर की नजर दरवाजे के टूटे ताले पर पड़ी। उसे अनहोनी की आशंका हुई। उसने तत्काल शोर मचाया और घर का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। अचानक घिर जाने पर संदिग्ध घबरा गए। वे छत से कूदकर भागने लगे। इस दौरान एक संदिग्ध के घायल होने की बात सामने आई है। ग्रामीणों ने दो लोगों को पकड़



लिया। इसके बाद उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया गया। बताया जा रहा है कि इस दौरान एक अन्य व्यक्ति चोरी का सामान लेकर फरार होने में सफल रहा। घटना की जानकारी मिलने के बाद इलाके के लोग मौके पर जुट गए। बंद घर में चोरी और आरोपियों के भागने की कोशिश से आसपास के लोगों में चर्चा शुरू हो गई। ग्रामीणों की सतर्कता से दो सदियों को पकड़ा जा सका। हालांकि, चोरी का पूरा सामान बरामद हुआ है या नहीं, इसकी स्थिति स्पष्ट नहीं है।

पुलिस हिरासत में लिए लोगों से कर रही पूछताछ: घटना की सूचना मिलने के बाद मधुपुर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। हिरासत में लिए गए दोनों सदियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि चोरी में कुल कितने लोग शामिल थे। जवान की पत्नी के आवेदन के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। चोरी गए आभूषणों, नकदी और अन्य सामान का पूरा ब्योरा भी जांच के दौरान स्पष्ट होगा। पुलिस की जांच और पूछताछ के बाद ही आरोपियों की भूमिका से जुड़े तथ्यों की पुष्टि हो सकेगी।

कोडरमा में एक ही दिन 2 दुकानों में चोरी तीन की छत काट कर घुसे, 30 हजार का सामान-नकदी ले गए चोर

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र में चोरी की लगातार हो रही घटनाओं से दुकानदारों की चिंता बढ़ गई है। चोरों ने एक ही दिन में दो दुकानों को निशाना बनाया। पिछले तीन दिनों में तीन दुकानों में चोरी की घटनाएं सामने आई हैं।

पहली घटना गड़ंडी रोड स्थित वजीर महतो चौक पर चंदा फ्लोर मिल के पास हुई। यहां गुमो बरवाडीह निवासी मुकेश वर्मा की दुकान को चोरों ने निशाना बनाया। चोर दुकान की टीन की छत काटकर अंदर घुसे। इसके बाद गल्ला तोड़कर नकदी निकाल ली।

दुकान से राशन, अंडे और अन्य सामान भी चोरी कर लिया। दुकानदार के मुताबिक, चोरी गए सामान और नकदी की कुल कीमत करीब 30 हजार रुपए है। घटना की जानकारी मिलने के बाद दुकानदार को



नुकसान का पता चला। लगातार हो रही चोरी से इलाके के व्यापारियों में चिंता बढ़ गई है।

कृष्णा मिष्ठान भंडार को भी बनाया निशाना: दूसरी घटना माहतोआरा-गड़ंडी

रोड पर तुलसीयान फैक्ट्री के पास हुई। यहां राजू प्रसाद वर्मा की कृष्णा मिष्ठान भंडार दुकान में चोरी की गई। चोरों ने इस दुकान की टीन की छत काटी और अंदर प्रवेश किया। इसके बाद नकदी और सामान लेकर फरार हो गए। हालांकि, इस घटना में कितने रुपए की चोरी हुई है, इसका आकलन अभी नहीं हो पाया है।

एक ही दिन में दो दुकानों में चोरी की घटनाओं से स्थानीय कारोबारियों में असुरक्षा की भावना बढ़ गई है। दुकानदारों का कहना है कि रात के समय दुकानें बंद रहने का फायदा उठाकर चोर वारदात कर रहे हैं। छत काटकर दुकानों में घुसने का तरीका भी चिंता का विषय है। लगातार हो रही घटनाओं से व्यापारियों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ सुरक्षा की चिंता सता रही है।

तीन दिनों में तीसरी चोरी, पुलिस

गश्ती बढ़ाने की मांग: स्थानीय स्तर पर मिली जानकारी के अनुसार, करीब एक सप्ताह के भीतर दुकानों की छत या करकट काटकर चोरी की यह तीसरी घटना है। तीन दिनों में तीन दुकानों को निशाना बनाए जाने से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि रात के समय पुलिस गश्ती बढ़ाने की जरूरत है। बाजार और व्यावसायिक इलाकों में नियमित निगरानी होनी चाहिए, ताकि चोरों पर अंकुश लगाया जा सके।

व्यापारियों ने ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की आवश्यकता जताई है। लगातार हो रही चोरी से दुकानदारों में चिंता का माहौल है। हालांकि, दूसरी दुकान से चोरी हुए सामान और नकदी की सही कीमत का पता नहीं चल पाया है।



संपादकीय

भोजन की बर्बादी से निपटने की वैश्विक चुनौती?

तमाम ऐसे इस्तामिक देश हैं जो भारत में उत्पादित बासमती चावल ही पसंद करते हैं। ईरान-ईराक में चावल की सप्लाई सिर्फ़ भारत से ही होती है। अन्न निर्यात के लिहाज से भारत विश्व का बड़ा बाजार बनकर इस समय उभरा है। संसार में भारत दूध और बाज़रे के निर्माण में नंबर वन पायदान है। भोजन मूलभूत आवश्यकताओं के अलावा, प्रत्येक इंसान का बुनियादी अधिकार भी है। भोजन अनमोल है जिसका सम्मान करना सभी का कर्तव्य है। आज ‘विश्व खाद्य दिवस’ है जो सालाना 16 अक्टूबर को पूरे संसार में इस मकसद से हर बार मनाया जाता है कि अन्न की बर्बादी को रोकने के लिए जनमानस को जागरूक किया जाए। नवंबर 1979 को संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के 20वें सम्मेलन में खाद्य दिवस को मनाने का निर्णय हुआ जिसका पहली बार आयोजन वर्ष 1981 में हुआ। दुनिया में भूख से बढ़ते कुपोषण पर नियंत्रण को ध्यान में रखकर संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक संघों को चेताया था। ये दिवस इस बात पर ज्यादा जोर देता है कि हमें थाली में उतना ही भोजन परोसना चाहिए, जितने की पेट को जरूरत है। ज्यादा भोजन लेगे तो निश्चित रूप से बर्बाद ही होगा। फूड इंडेक्स पर यूएनईपी-2024 की रिपोर्ट के मुताबिक हिंदुस्तान में सालाना करीब 7.8 करोड़ टन भोजन बर्बाद होता है, जिसका औसत लगभग 21.4 करोड़ किलोग्राम प्रतिदिन आंका गया। विश्व खाद्य दिवस-2025 की थीम थी ‘बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य साथ-साथ’ जो एग्रीफूड सिस्टम को बदलने में वैश्विक सहयोग की शक्ति को उजागर करती है। भोजन बर्बादी की समस्या संसार में बड़ी आफत के रूप में उभरी है। ऐसे तमाम मुल्क हैं जहां अन्न का उत्पादन शून्य है और दूसरे देशों के उत्पाद-भोजन पर ही निर्भर है, बावजूद इसके बेहताशा भोजन बर्बाद करते हैं। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण की ‘फूडवेस्टाइज इंडेक्स रिपोर्ट-2026’ सामने आई जिसमें दुनिया भर में 1.05 अरब टन भोजन बर्बाद होता बताया गया जिससे नई किस्म की न सिर्फ़ बीमारियां-वायरस फैले, बल्कि पर्यावरण भी दूषित हुआ। भारत में पिछले 10 वर्षों में अन्न उत्पादन 90 मिलियन मीट्रिक टन पिछले एक दशक से ज्यादा हुआ है। धरती पर मात्र भारत ही एक ऐसा मुल्क है जो करीब 76 देशों को विभिन्न किस्म का अन्न सप्लाई करता है जिसमें चीनी, दालें, चावल, मखाने, सरसों और राबिजयां प्रमुख रूप से शामिल हैं। तमाम ऐसे इस्लामिक देश हैं जो भारत में उत्पादित बासमती चावल ही पसंद करते हैं। ईरान-ईराक में चावल की सप्लाई सिर्फ़ भारत से ही होती है। अन्न निर्यात के लिहाज से भारत विश्व का बड़ा बाजार बनकर इस समय उभरा है। संसार में भारत दूध और बाज़रे के निर्माण में नंबर वन पायदान है। वर्ष 2014 के बाद से हिंदुस्तान शहद, अंडे, मछलियां और फल-सब्जियों के उत्पादन में दूसरे स्थान पर काबिज हुआ है। जबकि, कभी चौथे स्थान पर हुआ करता था। भूखे सोना विकसित संसार के माथे पर कलंक जैसा है। भूख के आंकड़े आज भी डरावने हैं। संसार का एक बड़ा इंसानी हिस्सा अभी भी रात में भूखे पेट सोता है। जबकि, रोजाना जितनी भोजन की बर्बादी होती है, थालियों में खाने को व्यर्थ करके लोग फेंक देते हैं, अगर ऐसा ना किया जाए, तो भूखे सोने वालों के आंकड़ों में कमी लाई जा सकती है। भोजन की बर्बादी से न केवल अन्न और धन का नुकसान होता है, बल्कि पानी, बिजली और अन्नदाताओं की सालाना मेहनत भी बेकार होती है। इससे पर्यावरण पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। भूख से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर सभी देशों को चेताना होगा। भूख और अन्न बर्बादी के नियंत्रण पर भारत जैसी पहल अन्य देशों को भी करनी होगी। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, पीएम पोषण योजना, अंत्योदय अन्न योजना, राइस फॉर्टिफिकेशन और प्राइस स्टेबिलाइजेशन फंड जैसी प्रमुख पहले भारत की खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ कर रही है। भारत में 80 करोड़ लोग मुफ्त अन्न वितरण योजना के लाभार्थी हैं, इसलिए सरकार का प्रयास है कि कोई भी व्यक्ति भूखे पेट नहीं सोए। लेकिन भोजन की बर्बादी भारत में भी कम नहीं है। आंकड़े इस समस्या के गवाह हैं। विश्व खाद्य दिवस संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन की स्थापना का प्रतीक है जिसे पहली बार औपचारिक रूप से 1981 में ‘भोजन सर्वप्रथम’ विषय वस्तु के साथ मनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1984 में इस दिवस को मान्यता दी जिसके बाद एक साथ 150 देशों का समूह बना, जो सामूहिक प्रयासों से भूख और अन्न बर्बादी से लड़ाई लड़ रहे हैं। हालांकि, सफलता उतनी नहीं मिली, जितनी उम्मीदे लगाई गई थीं।

स्ट्रोक का बढ़ता खतरा : आधुनिक जीवनशैली और मानसिक तनाव जिम्मेदार

— डॉ. प्रीतमी भी. ग्रेडाम

हमारे आसपास का वातावरण ही कुछ ऐसा बन गया है कि, पिछले कुछ सालों में जानलेवा बीमारियों में बेतहाशा वृद्धि हुई है। कैसर, हार्ट अटैक, स्ट्रोक तो अब रोजमर्रा की बातों में सुनने मिलता है, जैसे यह कोई आम बीमारी बन गई है। आधुनिक जीवनशैली और बढ़ता मानसिक तनाव बीमारियों को बूस्टर डोज दे रहा है, जिसके कारण निरोगी और कम उम्र का व्यक्ति भी असमय घातक बीमारियों का शिकार होकर जान गवा रहा है। प्रदूषण, मिलावटखोरी, अशुद्धता, मौसम का बिगड़ता चक्र और जहरीले रसायनों का प्रयोग वैसे ही हमें मौत के मुहाने पर पहुंचा रहा है, ऊपर से आधुनिक जीवनशैली और मानसिक तनाव हमें शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर बना रहा हैं। शरीर और मन को खुश और निरोगी रखे ऐसा वातावरण, चीजें या लोगों का व्यवहार कम हो रहा हैं। अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में व्यस्त मनुष्य अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा करता हैं। नशाखोरी, भोजन में पोषक तत्वों की कमी, पैक्ड फूड-ड्रिंक, तले मसालेदार, मीठे, नमकीन, मैदायुक्त, वसायुक्त खाद्यपदार्थ, देर रात तक जागना या अनिद्रा, सोशल मीडिया की लत, यांत्रिक संसाधनों पर निर्भरता, निरंतर बैठक कार्य करना, व्यायाम की कमी, पर्याप्त मात्रा में शुद्ध ऑक्सीजन, स्वच्छ जल और पोषक आहार न मिलना, बुरी संगत या बुरी आदतें, दुर्व्यवहार सहना, मन में डर बैठना या हिम्मत की कमी, बुरे विचार आना, ऐसी सभी आदतें मनुष्य के सेहत पर बुरा आघात करती है और फिर धीरे-धीरे जानलेवा बीमारियों की ओर धकेलती हैं। धूम्रपान, मधुमेह, मोटापा, उच्च रक्तचाप, खराब कोलेस्ट्रॉल स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाते हैं। कोई भी घातक बीमारी हमें एक दिन में नहीं होती, बीमारियां धीमे गति से बढ़ने लगती है, लेकिन हम ध्यान देना उचित नहीं समझते। हमारी जीवनशैली और कार्यशैली में बदलाव आवश्यक है और साथ ही प्रकृति पर होनेवाला हर प्रहार हमारी सेहत पर हो रहा है, यह जागरूकता बेहद जरूरी हैं।

हर साल 29 अक्टूबर को विश्व स्ट्रोक दिवस पूरी दुनिया में जनजागृति के लिए मनाया जाता हैं। मस्तिष्क संबंधी घातक बीमारी स्ट्रोक तेजी से बढ़ रही है, जब मस्तिष्क में रक्त का प्रवाह रुक जाता है तब स्ट्रोक होता है। मस्तिष्क में रक्त वाहिका के अवरुद्ध होने के कारण या फिर मस्तिष्क के अंदर रक्तस्राव के कारण यह स्थिति उत्पन्न होती हैं। पहले



यह केवल बुजुर्गों के हिस्से की बीमारी मानी जाती थी, परंतु अब युवाओं में भी यह बीमारी तेजी से बढ़ी है, नेशनल स्ट्रोक रजिस्ट्री प्रोग्राम दर्शाता है कि, स्ट्रोक के हर 7 में से 1 मरीज युवा अवस्था में कामकाजी वर्ग का है, अर्थात भारत में 14 प्रतिशत मरीज 45 साल से कम उम्र के होते हैं। स्लीप मेडिसिन रिव्यूज 2023 में बताया गया था कि, कामकाजी उम्र के 104 मिलियन भारतीय ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एप्निया से पीड़ित है, जो स्ट्रोक का जोखिम कारक हैं। अमेरिकन स्ट्रोक असोसिएशन अनुसार, स्ट्रोक किसी को भी और किसी भी उम्र में हो सकता हैं। दुनिया भर में, 25 साल से ज्यादा उम्र के हर चार व्यक्तों में से एक को अपने जीवनकाल में कभी न कभी स्ट्रोक हो सकता हैं। साल 2020-2022 दौरान एक रिसर्च किया गया, जिसमे देश के 30 अस्पतालों के 34792 स्ट्रोक मरीजों के अध्ययन से पता कि, कुल मरीजों में 64 प्रतिशत पुरुष और 36.6 प्रतिशत महिलाएं थीं, 70 प्रतिशत से अधिक लोग ग्रामीण क्षेत्रों से थे। 74.5 प्रतिशत में उच्च रक्तचाप, 28.5 प्रतिशत में तंबाकू का सेवन और 27.3 प्रतिशत में

मधुमेह सबसे आम जोखिम कारक था। 37.8 प्रतिशत मरीज 24 घंटे बाद अस्पताल पहुंचे, केवल 20.1 प्रतिशत मरीज लक्षण शुरू होने के 4.5 घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचे थे। स्ट्रोक आने के तीन महीने बाद, 27.8 प्रतिशत मरीजों की मृत्यु हो चुकी थी, लगभग 30 प्रतिशत मरीज गंभीर विकलांगता का शिकार हो गए थे एवं 1.1 प्रतिशत मरीजों को दोबारा स्ट्रोक आया। स्ट्रोक होने पर संतुलन खोना, आँखों में बदलाव, चेहरे का एक तरफ झुकना, हाथ में कमजोरी, बोलने में कठिनाई जैसी समस्या हो सकती है, इसलिए हर मिनेट कीमती मानकर तुरंत मरीज को अस्पताल पहुंचाए। विश्व स्वास्थ्य संगठन अनुसार, 2021 में, स्ट्रोक दुनिया भर में मौत और विकलांगता का तीसरा प्रमुख कारण था, जिसके अनुमानित 93.8 मिलियन मामले सामने आए। 2021 में, स्ट्रोक के 11.9 मिलियन नए मामले दर्ज किए गए। पिछले 20 वर्षों में जीवन भर स्ट्रोक होने का जोखिम 50 फीसदी तक बढ़ गया है, ‘डिसएबिलिटी एडजस्टेड लाइफ इयर्स’ के रूप में मापा जाने वाला स्ट्रोक का वैश्विक

जब एक चुप्पी टाल सकती है बड़ा विवाद, गुस्से में बोलने से बेहतर है कुछ देर का मौन

(रितुप्रिया शर्मा)

चुप रहकर अपने आप को प्रदर्शित करने की कला को मौन के रूप में भी देखा जाता है। कई बार चुप रहकर भी हम बहुत सारी बातें कह देते हैं, जो हम बोलकर भी नहीं कह पाते। ऐसा इसलिए नहीं है कि बोलना अच्छा नहीं है, बल्कि मौन एक कला और साधना है, जिससे हम मानसिक और आध्यात्मिक रूप से दृढ़ बनते हैं। फर्क सिर्फ इतना होता है कि शब्द नहीं, बल्कि आत्मा बोलती है। आज भाग-दौड़, शोर-शराबे का युग है, जिसमें ज्यादातर सिर्फ व्यर्थ की आवाधापी है और प्रतिस्पर्धा से जूझते लोग हैं। शब्द कम पड़ जाते हैं, लेकिन लोगों का बोलना अनवरत जारी रहता है। ऐसी परिस्थिति में मानसिक शांति कैसे मिल पाएगी, यह प्रश्न उठना स्वाभाविक ही है। मौन एक

प्राकृतिक शक्ति है और बुद्धिमानी की निशानी भी है, क्योंकि हर बार बोलकर अपने आपको प्रकट करना आवश्यक नहीं है। बेहिसाब और बेलागम शब्द कई बार मुश्किल खड़ी कर देते हैं, लेकिन मौन व्यक्ति को आमतौर पर विचारशील बनाता है। चुप रहकर हम एक साधना करते हैं, जो हमें अपने भीतर जानने का अवसर प्रदान करती है और स्वयं का मूल्यांकन आसानी से हो पाता है। संत-महात्मा भी अपने जीवन में मौन की साधना के जरिए ही अपने सर्वोत्कृष्ट रूप में सामने आए थे। हालांकि खुद को अभिव्यक्त करने के लिए यह भी जरूरी है कि हम कहां और किससे संवाद कायम करने की कोशिश कर रहे हैं। यहां मौन की भाषा को समझने वाले उचित व्यक्ति की भी जरूरत होती है। यानी कहा जा

सकता है कि मौन अभिव्यक्ति का एक बेहतर जरिया है, लेकिन इसके लिए देशकाल के तकाजे को ध्यान में रखना जरूरी होता है। बहरहाल, मानसिक शांति मौन का सबसे प्रबल लाभ है। निरंतर चलने वाले संवाद ने व्यक्ति को अनावश्यक विवादों के दौर में डाल दिया है और ये अनावश्यक विवाद आमतौर पर व्यक्ति के शब्दों से ही उत्पन्न होते हैं। ऐसे में जरूरत भर मौन का रास्ता अपनाकर हम ऐसी समस्याओं का हल निकाल सकते हैं। हमारी विचार शक्ति और चेतना का जागरण मौन के द्वारा ही संभव है और मौन रहकर हम अपने अंदर एक नई ऊर्जा का संचार करने में समर्थ बन सकते हैं। अगर हम अपना व्यक्तिव निखारना चाहते हैं, तो हमें अपने शब्दों को सोच-समझकर बोलना होगा और

अनावश्यक बातों से बचना होगा। समाज में सम्मान पाने के लिए भी मौन एक जरूरी आवश्यकता है। इस अनुभव से ज्यादातर लोग गुजरे होंगे, जिसमें समाज व्यक्ति की बात बहुत ध्यान से सुनता है, जो अनावश्यक बोलने से बचता है। मौन रहने का एक फायदा और है कि हम अच्छे श्रोता बनते हैं और दूसरे के विचारों का आदर करना भी सीखते हैं। सबसे अहम पक्ष यह है कि क्रोध के समय मौन ही हमें निरंतर होने वाली आलोचना और स्वास्थ्य की हानि से बचाता है। इसके अलावा, रिसर्चों को भी बचाने में मौन की भूमिका स्वयंसिद्ध रही है। यह आम अनुभव रहा है कि अगर किसी ने कोई कटोर शब्द बोल दिया, तो एक बड़ा विवाद खड़ा हो जाता है और उसका असर संबंधों तक पर पड़ता है।

सुडोकू पहेली						क्रमांक- 6257					
		4				6			1		
		7	2					8			
			9	3						2	
					1						9
6	2	1	5			9	4	7	3		
5							4				
	4							3	5		
		3					2	8			
1		6						3			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरने जाने आवश्यक हैं, इसका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आखिरी व खाली पंक्ति में एवं 3+3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से कभीयुक्त अंकों को अलग हटाने नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6256											
5	8	9	6	1	7	3	4	2			
2	4	1	3	5	9	8	6	7			
3	7	6	8	4	2	9	5	1			
4	9	2	7	6	8	1	3	5			
6	3	8	1	2	5	7	9	4			
7	1	5	9	3	4	6	2	8			
8	2	3	4	9	1	5	7	6			
9	5	7	2	8	6	4	1	3			
1	6	4	5	7	3	2	8	9			

तर्ग पहेली 6257					
1	2	3		4	5
				8	
7					
			9		
10		11			
				14	
15	16		17		18
					19
20				21	
	22				

संकेत: बाएँ से दाएँ

- पारसमीन विन्स से सरामी सरर शुरू करने वालों में से एक सीरीकार जिनका जन्म 3 सितंबर 1944 है (4)
- 1971 को यह देश स्वतंत्र राष्ट्र बना (3)
- जल से उत्पन्न वस्तु (3)
- पवित्र, पक्क, पाकहीन (3)
- कल्पवृक्ष, अमरलत, कल्पवृक्ष (4)
- आदर देना, आज्ञा पालन करना (3)
- विरक्तुल, अनाहत, अपमानित (3)
- कोलकाता से 150 किमी दक्षिण पूर्वी संयुक्तन में स्थित प्रसिद्ध तीर्थ (5)
- ध्वस्तान, टहल, परिवर्त्य (2)
- विद्युत्पात, वज्राघात (2)
- पैवीलीन, अथैर, बेकार (3)
- एक स्त्री से प्रेम करने वाले दो व्यक्ति का परस्पर यह कहलाता है (3)

संकेत: ऊपर से नीचे

- इसे मालवी में कांदा कहते है (2)
- रत्न लाईन (4)
- शर्म, हया, लाल (2)
- नरसुंदी की माला पहनने के कारण भावजन शंकर का एक नाम (5)
- तेज या तेरी (संस्कृत)(2)
- झंका होना, झंकार होना (4)

9. बुध, पेड़, झाड़ (2)

- इंदर के संगीतज्ञ मनोहर पटवर्धन द्वारा विकसित वाद्य यंत्र (4)
- टीस नामक नदी, खूब स्थल से निकल गंगा नदी में मिलने वाली नदी (3)
- विष्णुवर्मा के सुत मल द्वारा बनाया गया रामेश्वर के निम्नट समुद्र पर बंधा पुत (4)
- भोज में सलार के रूप में उपयोग में आने वाले सिलाक्रेड, सिस्मल्ट (3)
- निर्मल, कंठाल, दंष्टर (3)
- नीलाश्वर करना, उरसरी करना (3)
- किसी वस्तु को पाने का अलग निष्पत्त (2)

तर्ग पहेली 6256 का हल											
गु	ज	व	क	ख	ग	घ	ङ	च	ट	ड	ध
ज	ल	क	र	न				म	त	स	प
ज	न				म	त	स	प	क	ख	ग
त					व						ड
ल	स	अ	म	र	न	ध					
ल	ल	क	न		म	त	प				व
व		र	न	व	घ						च
ड	घ	र	न	ज	र						








मे़ष

आज दिन ख़चीला हो सकता है। दिन मिलाजुला रहेगा। दिन की शुरुआत में काम की गति सुस्त रहेगी लेकिन दिन चढ़ते-चढ़ते आप एक्टिव मोड में आ जाएंगे और अपने कई पारिवारिक पेंडिंग काम को निपटा पाएंगे। बच्चों की ओर से आपको प्रसन्नता मिलेगी।आर्थिक मामलों में दिन थोड़ा ख़चीला रहेगा लेकिन आवश्यक खर्च रहने से आप उसे रोक की नहीं पाएंगे।



वृष

आज मन उलझन में रह सकती है। दिन मिलाजुला रहेगा। दिन के आरंभ में थोड़ी सुस्ती और सिरदर्द की समस्या हो सकती है लेकिन धीरे-धीरे सेहत में सुधार महसूस करेंगे। लेकिन कुछ नई जिम्मेदारियों के अचानक आने से मन उलझन में रह सकता है। दिन भर की थकान और उलझन के बाद शाम से रात का समय आपका रोमांटिक और मनोरंजक बीतेगा।



कर्क

आज ससुराल पक्ष से लाभ पाएंगे। आज का दिन का संयोग लाभदायक है। आपको ऊर्जा और काम करने का जोश मिल रहा है। आप अपने सभी अटके काम को पूरा करने का प्रयास करें जीवनसाथी और परिवार का भी आपको पूरा सपोर्ट मिलेगा।आपको ससुराल पक्ष से लाभ और अपेक्षित सहयोग मिलने का संयोग बना है। बिजनेस में साझेदारों से आप अपेक्षित सहयोग प्राप्त कर पाएंगे।



सिंह

आज कोई बड़ी चाहत पूरी हो सकती है। दिन सामान्य रूप से अच्छा रहेगा। काम की व्यस्ता रह सकती है लेकिन सोचा हुआ काम पूरा होने से आपको मानसिक संतुष्टि मिलेगी। आर्थिक मामलों में दिन सामान्य रूप से अच्छा है। किराना और होटल से संबंधित काम में आपकी कमाई बढ़ेगी। लव लाइफ के मामले में भी बुध शुक्र का गोचर आपके लिए अनुकूल रहेगा।



कन्या

आज भावुकता पर कंट्रोल करना होगा। दिन कुल मिलाकर सामान्य कहा जा सकता है। आप परिवार और अपनों के साथ सुखद समय बिताने का प्रयास करेंगे। कुछ अधूरे काम जो काफी समय से अधूरे हैं उनको पूरा करने पर आपका फोकस रहेगा।



मकर

आज प्रभाव और सम्मान की प्राप्ति होगी। आप अपने पूर्व में किए काम की समीक्षा कर सकते हैं। कुछ नए काम को भी शुरू करने का विचार बन सकता है। मित्रों और सगे संबंधियों से मिलने जुलने का संयोग बन सकता है। पारिवारिक संपत्ति को लेकर कोई विवाद चल रहा है तो उसमें आपको निर्णायक जीत मिल सकती है।



कुंभ

आज आपको व्यवहार कुशलता का फायदा मिलेगा। दिन आर्थिक रूप से अच्छा है। आप वित्तीय योजनाओं का लाभ ले पाएंगे। वाणी और व्यवहारकुशलता का भी आपको फायदा मिलेगा। दोस्तों और सगे संबंधियों में आपका प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम संबंध में प्रगाढ़ता बनी रहेगी। सतान की ओर से प्रसन्नता मिलेगी। दिन के दूसरे भाग में कहीं घूमने अथवा मनोरंजक कार्यक्रम का आनंद लेने का भी मौका मिलेगा।



मीन

आज आपका सामाजिक प्रभाव बढ़ेगा।आज का दिन सूर्य के राशि में मौजूद रहने से अनुकूल रहेगा। आपका सामाजिक प्रभाव और सम्मान बढ़ेगा। पारिवारिक जीवन में पिता और घर के वरिष्ठ लोगों से आपको स्नेह और सपोर्ट मिलेगा। वैवाहिक जीवन के लिहाज से भी कल शुक्र और बुध की युति का फायदा मिलेगा। सुख साधनों की प्राप्ति से मन आनंदित होगा।

संक्षिप्त खबर

डॉ. एन.के. यादव की तीसरी जीत पर वाई. एन.पी. डिग्री कॉलेज में हर्ष का माहौल

खबरों की तह तक रानीगंज (अररिया)। कोसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी डॉ. एन.के. यादव की लगातार तीसरी बार जीत पर वाई.एन.पी. डिग्री कॉलेज, रानीगंज में हर्ष और उत्साह का माहौल है। महाविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मियों ने उनकी जीत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. नूतन आलोक ने डॉ. यादव की जीत पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. साहब ने जीत की हैट्टिक लगाई है। उनकी ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पित भाव से की गई सेवा का ही प्रतिफल है कि उन्हें बड़े अंतर से जीत हासिल हुई है। महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य डॉ. अशोक कुमार आलोक ने कहा कि इस चुनाव में सभी जातियों के लोगों ने दलगत भावना से ऊपर उठकर डॉ. एन.के. यादव के पक्ष में मतदान किया। उनकी जीत जन विश्वास और व्यापक जनसमर्थन का प्रतीक है। इस अवसर पर हर्ष व्यक्त करने वालों में प्रो. नवल किशोर सहाय, प्रो. डेव कुमार, प्रो. सुभाष चंद्र सिंह, प्रो. भूषण कुमार यादव, प्रो. योगेंद्र प्रसाद यादव, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. पंकी प्रेमा, रितेश राज, दीपेश राज एवं आदित्य कुमार सहित अन्य लोग प्रमुख रूप से शामिल हैं।

डॉ. एनके यादव के समर्थन के लिए मतदाताओं का आभार : प्रदीप सिंह

खबरों की तह तक अररिया। सीमांचल के एकलौता और अररिया के भाजपा सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने कोसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के सभी सम्मानित मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने डॉ. एन के यादव के प्रति विश्वास जताने, समर्थन देने और आशीर्वाद प्रदान करने के लिए मतदाताओं को धन्यवाद दिया। सांसद ने कहा कि जनता का विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। यह जनसमर्थन जनसेवा और जनहित के प्रति जिम्मेदारियों को और मजबूती से निभाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि कोसी क्षेत्र के मतदाताओं का स्नेह और सहयोग उनके लिए अमूल्य है। प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि जनता के विश्वास और अपेक्षाओं का सम्मान करने हुए जनहित के कार्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहना आवश्यक है। उन्होंने सभी मतदाताओं का आभार जताते हुए उम्मीद व्यक्त की कि उनका स्नेह, सहयोग और आशीर्वाद आगे भी बना रहेगा।

गहरी बात पर बात धारावाहिक लघुकथा-15

अतीत का पर्दाफाश और विश्वासघात की पहली निशानी

खबरों की तह तक पुरानी तस्वीर को हाथ में लिए अनामिका देर तक खामोश बैठी रही। तस्वीर में अरुण, देवेंद्र और विवेक सिन्हा की मौजूदगी उसके मन में तूफान खड़ा कर रही थी। आखिर इन तीनों के बीच ऐसा कौन-सा रिश्ता था, जो उसके सपनों की बन्दी से जुड़ा था? नीलिमा ने धीरे से पूछा, अनामिका, क्या तुम्हें याद है कि तुम्हारी पहली कहानी प्रकाशित होने से पहले देवेंद्र ने तुम्हारी पांडुलिपि अपने पास रखी थी? अनामिका चौंक गई। उसे वह दिन याद आया, जब देवेंद्र ने उसकी कहानी पढ़कर उसे बड़े लेखक बनने का भरोसा दिया था। उसी दौरान उसने पांडुलिपि कुछ दिनों के लिए अपने पास रखने को कहा था। हाँ, लेकिन इसका इस तस्वीर से क्या संबंध है? अनामिका ने बेचैनी से पूछा। तभी वृद्ध व्यक्ति ने बताया, तुम्हारी पहली कहानी जिस नाम से प्रकाशित हुई थी, उसकी मूल पांडुलिपि देवेंद्र के पास थी। विवेक सिन्हा ने प्रकाशन की व्यवस्था की थी, जबकि अरुण इस पूरे मामले की सच्चाई जानता था। यह सुनकर अनामिका की आँखें भर आईं। अगर अरुण सब जानता था, तो उसने मुझे बताया क्यों नहीं? वृद्ध ने गंभीर स्वर में कहा, क्योंकि उस समय तुम्हारे सपनों को बचाने के लिए उसने एक ऐसा वादा किया था, जिसकी कीमत आज तक चुका रहा है। उसी क्षण अनामिका के फोन पर अरुण का संदेश आया—आज रात मुझसे मिलो। अब तुम्हें वह सब बताना जरूरी है, जिस छिपाकर मैंने तुम्हें खोने का खतरा मोल लिया। रात को अनामिका अरुण से मिली। अरुण ने एक पुरानी डायरी उसके सामने रख दी। उसमें देवेंद्र और विवेक के बीच हुए पत्राचार की प्रतियां थीं। अरुण ने कहा, मैंने तुम्हारी कहानी के असली लेखक होने का प्रमाण जुटाया था, लेकिन देवेंद्र ने तुम्हारे परिवार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने की धमकी दी थी। अनामिका ने पूछा, तो क्या तुमने मुझे बचाने के लिए चुपची साध ली? अरुण ने सिर झुका लिया। तभी डायरी के अंतिम पन्ने पर लिखे एक नाम ने अनामिका को स्तब्ध कर दिया। वह नाम देवेंद्र या विवेक का नहीं, बल्कि उस व्यक्ति का था, जिस पर वह सबसे अधिक भरोसा करती थी। क्या अनामिका का विश्वास फिर टूटने वाला था, या इस बार सच उसे न्याय दिलाएगा?

श्री उग्रतारा सांस्कृतिक महोत्सव - 2026 की समीक्षा बैठक

» उग्रतारा महोत्सव में इस बार होगा प्रभाव परिक्रमा, विद्वानों के बीच विमर्श भी

» 19 से 21 नवंबर तक आयोजित होगा महोत्सव, उद्घाटन के लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को आमंत्रित करने का प्रस्ताव

खबरों की तह तक सहारन। विकास भवन के सभागार में जिलाधिकारी सहायस की अध्यक्षता में श्री उग्रतारा सांस्कृतिक महोत्सव-2026 की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। महोत्सव अगले महीने 19-21 नवंबर को आयोजित होना है। बैठक में ‘प्रभाव परिक्रमा’, सेमिनार एवं वाद विवाद, स्मारिका प्रकाशन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन पर विचार किया गया। साफ सफाई, जेनेन्यू, बीएचयू, डॉ. शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय, साउथ एशियन विश्वविद्यालय से विषय विशेषज्ञ विद्वानों को बुलाकर मंडन मिश्र की मीमांसा दर्शन, सनातन एवं बौद्धों में उग्रतारा के साथ साथ मिथिला के धर्म, दर्शन, संस्कृति और जीवन पद्धति पर वाद-विवाद एवं विमर्श कराने का निर्णय लिया गया है। अन्य वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्मारिका का प्रकाशन किया जाएगा जिस हेतु राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों एवं शोधकर्ताओं से 9 नवंबर 2026 तक गुणवत्तापूर्ण एवं मौलिक आलेख मांगे गये हैं। स्मारिका की प्रिंट कापी के साथ साथ इसके डिजिटल फार्म को महोत्सव के साइट पर उपलब्ध दत्त झा, कुंदन मिश्रा, न्यास कराया जाएगा। बैठक में स्टॉल, फुड कोट और पुस्तक मेला से संबंधित भी कई निर्णय लिये। महोत्सव के उद्घाटन हेतु



मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को आमंत्रित करने का भी प्रस्ताव रखा गया है। महोत्सव के प्रथम दिन सुबह में ‘प्रभाव परिक्रमा’ कार्यक्रम को इस वर्ष से ही प्रारंभ किये जाने हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य मंदिर परिसर और मंडनधाम परिसर को महोत्सव के मूल कार्यक्रमों से जोड़कर ग्रामीणों, सेवायन सदस्यों और बुद्धिजीवियों को महोत्सव में सक्रिय रखकर सम्मिलित करना है। सेमिनार और वाद विवाद, स्मारिका प्रकाशन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन पर विचार किया गया। साफ सफाई, जेनेन्यू, बीएचयू, डॉ. शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय, साउथ एशियन विश्वविद्यालय से विषय विशेषज्ञ विद्वानों को

बुलाकर मंडन मिश्र की मीमांसा दर्शन, सनातन एवं बौद्धों में उग्रतारा के साथ साथ मिथिला के धर्म, दर्शन, संस्कृति और जीवन पद्धति पर वाद-विवाद एवं विमर्श कराने का निर्णय लिया गया है। अन्य वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्मारिका का प्रकाशन किया जाएगा जिस हेतु राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों एवं शोधकर्ताओं से 9 नवंबर 2026 तक गुणवत्तापूर्ण एवं मौलिक आलेख मांगे गये हैं। स्मारिका की प्रिंट कापी के साथ साथ इसके डिजिटल फार्म को महोत्सव के साइट पर उपलब्ध दत्त झा, कुंदन मिश्रा, न्यास कराया जाएगा। बैठक में स्टॉल, फुड कोट और पुस्तक मेला से संबंधित भी कई निर्णय लिये

समाज और राज्य जितना शिक्षित होगा, उतना ही विकसित होगा : नीतीश कुमार

» नीतीश कुमार ने किया सरदार पटेल मेमोरियल कॉलेज के विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन

खबरों की तह तक बिहारशरीफ। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बिहारशरीफ, नालंदा स्थित उदंतपुरी में सरदार पटेल मेमोरियल कॉलेज के विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इस दौरान बिहार सरकार के वरिष्ठ मंत्री श्रवण कुमार, विधान परिषद् में सतारूढ़ दल के उपनेता ललन सर्राफ, सांसद कौशललेन्द्र कुमार, बिहार राज्य नागरिक परिषद के महासचिव श्री हरेन्द्र बहादुर सिंह, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. उपेन्द्र प्रसाद सिंह एवं कॉलेज के प्राचार्य डॉ. महेश प्रसाद सिंह सहित कई गणमान्य मौजूद रहे। इस अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में नीतीश कुमार ने सर्वप्रथम सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके उपरांत उन्होंने सरदार पटेल मेमोरियल कॉलेज के संस्थापक



प्राचार्य प्रो. राजेन्द्र प्रसाद जी की प्रतिमा का अनावरण किया। साथ ही उन्होंने नालंदा सांसद निधि से निर्मित ब्रिज एवं पथ निर्माण कार्य, नवनिर्मित वॉलीबॉल एवं बैडमिंटन कोर्ट एवं नवीनीकृत विज्ञान ब्लॉक का उद्घाटन

किया और पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस अवसर पर नीतीश कुमार ने कहा कि पिछले दो दशकों में हमलोगों का निरंतर प्रयास रहा है कि बिहार के बच्चे बाहर नहीं जाएं, यहीं उन्हें अच्छी

शिक्षा मिले। इसके लिए हमलोगों ने आधारभूत संरचना के विकास से लेकर शिक्षकों की नियुक्ति, अनेकों छात्रवृत्ति एवं प्रोत्साहन योजनाओं की शुरुआत, कौशल विकास जैसे तमाम कार्य किए। नालंदा तो वैसे भी पूरे विश्व को ज्ञान दे चुका है, हमें उसी परंपरा को फिर से मजबूत करना है। मुझे पूरा विश्वास है कि सरदार पटेल जी की स्मृति में स्थापित यह संस्था आने वाले वर्षों में उनके आदर्शों और विचारों के अनुरूप मील के और भी कई पत्थर स्थापित करेगी। नीतीश कुमार ने आगे कहा कि नई पीढ़ी को ये समझना चाहिए कि हमारा समाज और राज्य जितना शिक्षित होगा, उतना ही विकसित होगा। हमारे बच्चे अपने छात्रजीवन में जो बोएंगे वही जीवन भर काटेंगे, इसलिए उन्हें पूरी लगन और निष्ठा से अपना काम करना चाहिए और इसमें परिवार से लेकर सरकार तक, हर किसी को हरसंभव सहायता और प्रोत्साहन देना चाहिए।

डॉ. एन. के. यादव की ऐतिहासिक हैट्टिक जीत पर पंकज पटेल और नूतन गुप्ता ने दी बधाई

खबरों की तह तक पूर्णिया। बिहार विधान परिषद चुनाव 2026 में कोसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी डॉ. एन. के. यादव की शानदार और ऐतिहासिक विजय पर सर्वत्र हर्ष का माहौल है। एमएलसी चुनाव की 8 सीटों में सबसे बड़ी जीत दर्ज कर हैट्टिक लगाने पर शिवम एवं पटेल नरसिंग कॉलेज के चेयरमैन रह वरिष्ठ भाजपा नेता पंकज कुमार निराला उर्फ पंकज पटेल तथा कॉलेज की डायरेक्टर सह जिला भाजपा मंत्री नूतन गुप्ता ने डॉ. यादव को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। इस अवसर पर कोशी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से एनडीए समर्थित भाजपा के प्रत्याशी डॉ. एनके यादव एवं अन्य एनडीए स्नातक उम्मीदवारों की शानदार जीत पर भारतीय जनता पार्टी की जिलामंत्री नूतन गुप्ता व भाजपा नेता व समाजसेवी पंकज पटेल ने अपने आवास पर लोगों के बीच मिठाइयां बांटीं और एक-दूसरे को बधाई दी। उन्होंने कहा की



लगातार तीसरी बार जीत हासिल करना डॉ. यादव के लंबे राजनीतिक अनुभव, जनसेवा और मतदाताओं के साथ उनके जुड़ाव को दर्शाता है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि डॉक्टर एनके यादव आगे भी कोसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के शिक्षकों, स्नातकों और शिक्षा से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाते रहेंगे। जीत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भाजपा जिलामंत्री श्रीमती गुप्ता ने कहा यह ऐतिहासिक विजय डॉक्टर एनके यादव के प्रति क्षेत्र की सम्मानित जनता और स्नातक समाज के अटूट विश्वास, समर्पण एवं जनसेवा के प्रति निरंतर संकल्प का जीवंत प्रतीक है। भाजपा जिलामंत्री नूतन गुप्ता ने विश्वास जताते हुए कहा कि डॉ.

एनके यादव के कुशल नेतृत्व में कोशी क्षेत्र के समग्र विकास को एक नई गति मिलेगी। शिक्षा जात की उन्नति, युवाओं के मार्गदर्शन व स्नातक समाज के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए उनका यह कार्यकाल मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा हमें पूर्ण विश्वास है कि डॉक्टर एनके यादव का यह नया कार्यकाल जनकल्याण, विकास और जनसेवा के नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने इस शानदार विजय पर बधाई एवं एक सफल व उज्ज्वल कार्यकाल की अनंत शुभकामनाएं दी। वहीं भाजपा नेता पंकज पटेल ने कहा कि डॉ. एनके यादव मुद्दाभाषी हैं व गरीबों के बीच काम करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. यादव विधान परिषद में शिक्षा से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाते रहे। उन्होंने कहा यह जीत उनकी मेहनत और सादगी का परिणाम है। श्री पटेल ने एनडीए सरकार के कार्यों को भी जीत से जोड़ते हुए कहा कि यह सरकार के अच्छे कार्यों का इनाम है।

पूर्णिया-हैदराबाद सीधी उड़ान गुरुवार को बंद करने पर उठे सवाल

खबरों की तह तक पूर्णिया। पूर्णिया एयरपोर्ट से हैदराबाद के लिए संचालित इंडिगो की सीधी उड़ान प्रत्येक गुरुवार को उपलब्ध नहीं होने का मामला अब केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय तक पहुंच गया है। सोशल एक्टिविस्ट एवं आर्टीआईएफ्टिबिस्ट विजय कुमार श्रीवास्तव ने इस संबंध में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एआरडी) के अध्यक्ष को ज्ञापन भेजकर उड़ान सेवा में कटौती के कारणों की जांच कराने तथा प्रतिदिन सेवा बहाल करने की मांग की है। 28 अक्टूबर को भेजे गए ज्ञापन में उन्होंने कहा है कि पूर्णिया एयरपोर्ट से हैदराबाद के लिए इंडिगो की सीधी उड़ान संख्या 6E5936/5935 प्रतिदिन संचालित होती थी और इसकी ऑक्ट्यूबर्स 90 प्रतिशत से अधिक सेवा उपलब्ध नहीं रहेगी। उन्होंने इस व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए संबंधित नोटम को सार्वजनिक करने, उसकी वैधता अर्थात् स्पष्ट करने और यह बताने की मांग की है कि गुरुवार को उड़ान संचालन प्रभावित होने का वास्तविक कारण क्या है।



के लिए महत्वपूर्ण है। गुरुवार को उड़ान नहीं मिलने पर उड़ान सवाल विजय कुमार श्रीवास्तव ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि 28 अक्टूबर को इंडिगो की वेबसाइट पर टिकट की उपलब्धता देखने पर प्रत्येक गुरुवार के लिए ‘नो फ्लाइट फाउंड’ प्रदर्शित हो रहा था। इंडिगो के कस्टमर केयर से बातचीत के दौरान उन्हें बताया गया कि एयरपोर्ट से संबंधित नोटम (NOTAM) के कारण गुरुवार को सेवा उपलब्ध नहीं रहेगी। उन्होंने इस व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए संबंधित नोटम को सार्वजनिक करने, उसकी वैधता अर्थात् स्पष्ट करने और यह बताने की मांग की है कि गुरुवार को उड़ान संचालन प्रभावित होने का वास्तविक कारण क्या है।

उन्होंने आशंका जताई है कि पूर्णिया-हैदराबाद मार्ग पर ही इस तरह की बाधा आने के पीछे राजनीतिक या व्यावसायिक कारण हो सकते हैं। हालांकि, इस संबंध में किसी साजिश की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। वैकल्पिक समय देकर प्रतिदिन उड़ान चलाने की मांग ज्ञापन में मांग की गई है कि यदि नोटम भारतीय वायुसेना से संबंधित है, तो भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और वायुसेना के बीच समन्वय बैठक कर गुरुवार के लिए सुबह का वैकल्पिक स्लॉट उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने पूर्णिया-हैदराबाद सीधी उड़ान को पूर्ण की तरह प्रतिदिन बहाल करने, पूरे मामले की जांच कराने तथा यात्रियों को हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए आवश्यक बंद उठाने का भी आग्रह किया है। इसके साथ ही भविष्य में उड़ान रह होने या सेवा में बदलाव होने वाली वृद्धि पर आपत्ति जताते हुए उन्होंने इसे यात्रियों के हितों से जुड़ा मुद्दा बताया है। विजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा है कि पूर्णिया एयरपोर्ट सीमांचल और आसपास के बड़े क्षेत्र के लोगों के लिए महत्वपूर्ण परिवहन सुविधा है।

कई अन्य मुद्दों को भी उठाया है। उन्होंने टैक्सीवे और एप्रन निर्माण पूरा होने की समय-सीमा घोषित करने, एयर कार्गो सेवा शुरू करने की तारीख बताने तथा स्थायी टर्मिनल भवन के निर्माण के लिए निविदा प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने की मांग की है। उन्होंने एनएच-31 से एयरपोर्ट के सिविल एंक्लेव तक फोरलेन सड़क संपर्क, नाइट लैंडिंग की सुविधा और एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को सौंपने के विषय पर भी आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया है। नए शहरों के लिए उड़ान और किराये पर भी चिंता ज्ञापन में पूर्णिया से चेन्नई, मुंबई, गुवाहाटी, रांची और बेंगलुरु के लिए हवाई सेवाएं शुरू करने की मांग की गई है। साथ ही दिल्ली की उड़ानों के किराये में अधिक मांग के समय होने वाली वृद्धि पर आपत्ति जताते हुए उन्होंने इसे यात्रियों के हितों से जुड़ा मुद्दा बताया है। विजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा है कि पूर्णिया एयरपोर्ट सीमांचल और आसपास के बड़े क्षेत्र के लोगों के लिए महत्वपूर्ण परिवहन सुविधा है।

डॉ. एनके यादव की हैट्टिक जीत को देवयंती यादव ने बताया जनविश्वास की मुहर

खबरों की तह तक

पूर्णिया। कोसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से लगातार तीसरी बार जीत दर्ज करने वाले एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी एवं विधान पार्षद डॉ.



एनके यादव को नरपतंगजी की भाजपा विधायक देवयंती यादव ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस जीत को स्नातकों, शिक्षकों और आम जनमानस के विश्वास, स्नेह और समर्थन का प्रतीक बताते हुए उम्मीद जताई कि डॉ. यादव विधान परिषद में जनअपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे। विधायक देवयंती यादव ने कहा कि लगातार तीसरी बार मिली जीत डॉ. एनके यादव के प्रति मतदाताओं के भरोसे और सम्मान को दर्शाती है। यह सफलता उनके सामने क्षेत्र के स्नातकों एवं शिक्षकों की समस्याओं, अपेक्षाओं और अधिकारों को प्रभावी ढंग से उठाने की जिम्मेदारी भी बढ़ाती है। उन्होंने विश्वास जताया कि डॉ. यादव विधान परिषद में इन वर्गों की आवाज मजबूती से बुलंद करेंगे और उनके हितों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का विश्वास किसी भी जनप्रतिनिधि की सबसे बड़ी पूंजी होता है। कोसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं ने अपने समर्थन से डॉ. यादव को फिर अवसर दिया है। ऐसे में उनसे अपेक्षा है कि वे शिक्षा, शिक्षकों की समस्याओं और स्नातकों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए उनके समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

देवयंती यादव ने इस जीत को संभव बनाने वाले कोसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के सभी सम्मानित मतदाताओं एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मतदाताओं के बहुमूल्य समर्थन और कार्यकर्ताओं के प्रयासों ने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने डॉ. एनके यादव के उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वे क्षेत्र के लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे।

डॉ. एनके यादव ने जीत का श्रेय कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को दिया



» कोशी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से एमएलसी चुने जाने पर जताया आभार, कहा- जनता का विश्वास मेरी सबसे बड़ी पूंजी

खबरों की तह तक पूर्णिया। कोशी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी डॉ. एनके यादव ने एमएलसी चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों और मतदाताओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह जीत किसी

एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उन सभी समर्पित कार्यकर्ताओं और मतदाताओं की है, जिन्होंने विश्वास जताते हुए दिन-रात मेहनत की। डॉ. यादव ने कहा कि चुनवा के दौरान कार्यकर्ताओं ने हर परिस्थिति में उनका साथ दिया। उनके समर्पण, अथक परिश्रम और अटूट विश्वास ने इस जीत को संभव बनाया। यह जनसमर्थन उनके लिए गव्वं के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता उनकी ताकत हैं और जनता का विश्वास

उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। मतदाताओं ने जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतराना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने सभी समर्थकों का आभार जताते हुए कहा कि कोशी क्षेत्र की सेवा और लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए वे प्रतिबद्ध रहेंगे। डॉ. यादव ने कहा कि यह जीत संघटन की एकजुटता, कार्यकर्ताओं के समर्पण और मतदाताओं के विश्वास का परिणाम है।

गोकुल सिंह ठाकुरबाड़ी दुर्गा पूजा मेले को मिलेगी राजकीय पहचान : मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल

खबरों की तह तक

पूर्णिया। ततुमा टोली स्थित श्री राम जानकी गोकुल सिंह ठाकुरबाड़ी के भव्य दुर्गा पूजा मेले को अगले वर्ष से राजकीय पहचान दिलाने की योजना है। बिहार सरकार के राज्य एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने बुधवार को वनभाग स्थित जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य मेले को व्यापक पहचान दिलाने के साथ इसके आयोजन को और भव्य एवं व्यवस्थित स्वरूप देना है। मंत्री ने कहा कि गोकुल सिंह ठाकुरबाड़ी का दुर्गा पूजा मेला पूर्णिया की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक सद्भाव का महत्वपूर्ण प्रतीक है। प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचकर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करते हैं। यह मेला क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने में भी अहम भूमिका निभाता है।



देवघर के ग्रामीण कलाकारों को बुलाने की योजना

डॉ. जायसवाल ने बताया कि मेले को राजकीय सूची में शामिल करने की प्रस्तावित पहल के तहत देश के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध ग्रामीण कलाकारों को आमंत्रित कर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने की परिकल्पना है। इससे लोककला, लोकसंगीत और पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही स्थानीय कलाकारों को भी अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिल सकेगा।

धार्मिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

मंत्री ने कहा कि मेले के विस्तार और बेहतर आयोजन से पूर्णिया में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने की संभावना है। इससे स्थानीय दुकानदारों, छोटे व्यवसायियों और अन्य कारोबारियों को भी लाभ मिल सकता है। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और आयोजन की बेहतर व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राजकीय पहचान मिलने की पहल से श्री राम जानकी गोकुल सिंह ठाकुरबाड़ी का दुर्गा पूजा मेला व्यापक स्तर पर अपनी अलग पहचान स्थापित करेगा और पूर्णिया की सांस्कृतिक विरासत को नया मंच मिलेगा।

बकरी पालन से आत्मनिर्भर बनेंगे ग्रामीण, पीरपैंती में 24 लाभुकों को मिली बकरियां

खबरों की तह तक

भागलपुर।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और जरूरतमंद परिवारों को स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में पशुपालन विभाग की ओर से पहल की जा रही है। इसी कड़ी में वित्तीय वर्ष 2025-26 की समेकित बकरी एवं भेड़ विकास योजना के तहत पीरपैंती प्रखंड में बकरी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 24 लाभुकों के बीच अनुदानित दर पर तीन-तीन प्रजनन योग्य बकरियों के वितरण की योजना के तहत बकरियां उपलब्ध कराई गईं। योजना का लाभ पाने वालों में अनुसूचित जनजाति के 23 और अनुसूचित जाति का एक लाभुक शामिल है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को पशुपालन के माध्यम से स्वरोजगार का अवसर उपलब्ध कराना, उनकी आय के स्रोत बढ़ाना और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करना है।



पशुपालन से बढ़ेंगे आय के अवसर

बकरी पालन ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका का एक महत्वपूर्ण साधन माना जाता है। कम संसाधनों में भी इसे शुरू कर परिवार की आमदनी बढ़ाने की संभावनाएं रहती हैं। विभाग की इस योजना से लाभान्वित परिवार बकरी पालन को आजीविका के साधन के रूप में अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकते हैं। साथ ही, पशुपालन के प्रति ग्रामीणों का रुझान बढ़ने से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी विकसित हो सकते हैं।

लाभुकों में दिखा उत्साह, योजना की सराहना

बकरियां मिलने पर लाभुकों के चेहरे पर खुशी और उत्साह देखने को मिला। लाभुकों ने पशुपालन विभाग की इस पहल की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए इसे आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।



कोच गौतम गंभीर की दूरदृष्टि...टीम इंडिया छू रही सफलता के नए आयाम

नई दिल्ली। गौतम गंभीर का टी20 क्रिकेट के लिए दृष्टिकोण एक अलग विचार पर आधारित है। भारत को एक ऐसी टीम बनना होगा जो असफलता से न डरे, पूरी तरह से व्यक्तिगत नायकों पर निर्भर न हो, और जब कोई खिलाड़ी आउट हो जाए तो विश्वास करना न छोड़े। टी20 क्रिकेट के प्रति उनके दृष्टिकोण में व्यक्तिगत उपलब्धियों के बजाय सुनियोजित आक्रामकता, लचीली बल्लेबाजी व्यवस्था और प्रभाव डालने पर जोर दिया गया। तिलक बल्लेबाजी में लचीलापन और मैच की विभिन्न परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता रखते हैं। शुरुआती विकेट गिरने के बाद पारी को संभालने में वे मददगार साबित हो सकते हैं या टीम को तेजी से रन बनाने की जरूरत पड़ने पर अपनी गति बढ़ा सकते हैं। नमन धीर मध्य क्रम में आक्रामक विकल्प प्रदान करते हैं, जिनमें गेंदबाजों पर आक्रमण करने और दबाव वाली परिस्थितियों में

महत्वपूर्ण रन बनाने की क्षमता है। नीतीश कुमार रेड्डी अपनी बल्लेबाजी की ताकत और तेज गेंदबाजी से टीम को एक नया आयाम देते हैं, जिससे प्रबंधन को प्लेइंग इलेवन बनाने में अधिक लचीलापन मिलता है। वे एक जैसे खिलाड़ी नहीं हैं, और उनमें से किसी को भी हार्दिक पांड्या बनने की जरूरत नहीं है। उनका महत्व उन अलग-अलग गुणों में निहित है जो वे टीम में ला सकते हैं। सिद्धांत सरल है: केवल खिलाड़ी को नहीं, बल्कि भूमिका को ही बदलें। अगर तिलक स्थिरता प्रदान करें, नमन आक्रामक बल्लेबाजी करें और नीतीश एक ऑलराउंडर के रूप में योगदान दें, तो हार्दिक पर पड़ने वाली कुछ जिम्मेदारियों को टीम में बाँटा जा सकता है। सही संतुलन परिस्थितियों, विरोधी टीम और खिलाड़ियों के फॉर्म पर निर्भर करेगा, लेकिन मूल सिद्धांत वही रहेगा: एक ऐसा संयोजन तैयार करें जिसमें कई खिलाड़ी समग्र योजना में योगदान दें।

व्यक्तिगत जिम्मेदारी से सामूहिक जिम्मेदारी की ओर

लंबे समय तक भारतीय क्रिकेट की कहानी अक्सर इसके सबसे बड़े सितारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। प्रशंसक किसी खास बल्लेबाज से पारी को संभालने की उम्मीद रखते थे या किसी खास गेंदबाज से निर्णायक विकेट लेने की। ऐसे खिलाड़ी आज भी अमूल्य हैं, लेकिन आधुनिक टी20 क्रिकेट में व्यक्तिगत प्रतिभा से कहीं अधिक की आवश्यकता है। इसके लिए एक ऐसी टीम की आवश्यकता होती है जिसमें छद्म बल्लेबाज योगदान दे सके, निचले क्रम के बल्लेबाज मैच का रुख बदल सकें, एक ऑलराउंडर रणनीतिक लचीलापन प्रदान कर सके और अनुपस्थित स्टार खिलाड़ी के स्थान पर खेलने वाला खिलाड़ी एक स्पष्ट रूप से परिभाषित भूमिका निभा सके।

हार्दिक पांड्या का विकल्प खोजना

हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ी की अनुपलब्धता में किसी भी टीम प्रबंधन के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक सही संयोजन खोजना होता है। हार्दिक टी20 क्रिकेट में एक दुर्लभ खिलाड़ी हैं जो विस्फोटक बल्लेबाजी, फिनिशिंग क्षमता और तेज गेंदबाजी से टीम में योगदान दे सकते हैं। उनकी जगह किसी और खिलाड़ी को चुनना और उनसे समान परिणाम की उम्मीद करना मात्र नहीं है। इसके लिए सोचने का एक अलग तरीका चाहिए। हार्दिक की तरह ही टीम के लिए सब कुछ करने वाले एक ही खिलाड़ी की तलाश करने के बजाय, भारत इन जिम्मेदारियों को कई खिलाड़ियों में बांट सकता है।

मैदान पर गुंडागर्दी करना हारिस रऊफ पर पड़ा भारी!

● जीत के बाद सरेंआम की थी बदतमीजी लगा भारी जुर्माना



लटक रही है बैन की तलवार!

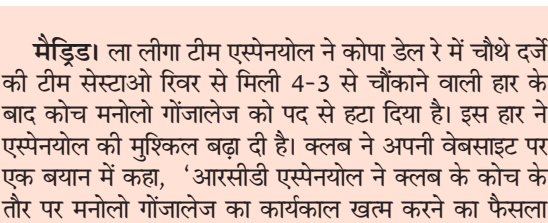
आईसीसी ने उनकी इस हरकत को खेल की गरिमा के खिलाफ मानते हुए आचार संहिता का उल्लंघन पाया और उनके खाते में 1 डिमिरेट पॉइंट जोड़ दिया। पिछले दो सालों में रऊफ की यह तीसरी हरकत है, जिससे उनके कुल डिमिरेट पॉइंट अब बढ़कर 5 हो चुके हैं। यानी अब उन पर बैन की तलवार भी लटक रही है।

नई दिल्ली। लाहौर के मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ एक विकेट की रोमांचक जीत के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने जमकर जश्न मनाया। एक तरफ जहाँ टीम जश्न में डूबी थी, वहीं टीम के स्टार तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने अपनी घुटिया हरकत से एक बार फिर सुर्खियां बटोरने का काम किया। मैदान पर खेल भावना की धज्जियां उड़ाने और अंपायर से उलझने के जुर्म में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने हारिस रऊफ को कड़ी फटकार लगाई है। इस हरकत के लिए आईसीसी ने रऊफ पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना ठोक दिया है। यह पूरा ड्रामा पाकिस्तानी पारी के 46वें ओवर के खत्म होने पर देखने को मिला। नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़े हारिस रऊफ पहले तो अंपायर से वाइड गेंद मांगने लगे। फिर इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स से फालतू में बहसबाजी करने लगे। अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद के मना करने के बावजूद रऊफ का गुस्सा शांत नहीं हुआ। उन्होंने हवा में बल्ला उठाया, अंपायर को अनदेखा करके उनसे टकराते हुए निकले और इंग्लिश खिलाड़ी की तरफ बदतमीजी से बढ़ते रहे।

इंग्लैंड की टिलाई पर भी कटा चालान

रऊफ की हरकत के अलावा इस मैच में स्लो ओवर रेट के लिए इंग्लैंड टीम पर भी गाज गिरी है। तय समय सीमा में 3 ओवर कम फेंकने की वजह से आईसीसी मैच रेफरी जेफ क्रो ने इंग्लिश कप्तान हेरी ब्रूक और पूरी टीम पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगा दिया. दोनों ही पक्षों ने अपनी-अपनी गलतियों और सजा को बिना किसी बहस के स्वीकार कर लिया है. मैच की बात करें तो शादाब खान के नौबाद खतन के अलावा हारिस रऊफ के साथ 10वें विकेट की 89 रनों की साझेदारी के दम पर पाकिस्तान ने यह मैच 1 विकेट से तो जीत लिया. इस जीत के साथ पाकिस्तान ने 31 अक्टूबर को श्रीलंका के खिलाफ होने वाले ट्राई-सीरीज के फाइनल में जगह भी बना ली.

सेस्टाओ से मिली हार के बाद एस्पेनयोल ने कोच मैनोलो गोंजालेज को हटाया



मैड्रिड। ला लीगा टीम एस्पेनयोल ने कोपा डेल रे में चौथे दर्जे की टीम सेस्टाओ रिवर से मिली 4-3 से चौकाने वाली हार के बाद कोच मनोलो गोंजालेज को पद से हटा दिया है। इस हार ने एस्पेनयोल की मुश्किल बढ़ा दी है। क्लब ने अपनी वेबसाइट पर एक बयान में कहा, ‘आरसीडी एस्पेनयोल ने क्लब के कोच के तौर पर मनोलो गोंजालेज का कार्यकाल खत्म करने का फैसला किया है।’ अपने बयान में क्लब ने कहा, ‘आरसीडी एस्पेनयोल मैनोलो गोंजालेज का शुक्रिया अदा करना चाहता है। उन्होंने टीम की कमान संभालने के बाद से पेशेवर रवैये, प्रतिबद्धता और समर्पण को प्रदर्शित किया।’ 47 साल के गोंजालेज ने मार्च 2024 में रिजर्व साइड से प्रमोट होने के बाद एस्पेनयोल की कमान संभाली थी और उस सीजन के आखिर में क्लब को वापस ला लीगा में ले गए थे। हालांकि, पिछले सीजन के मुश्किल दूसरे हाफ के बाद उनकी पोजीशन पर उस समय सवाल उठने लगे, जब एस्पेनयोल 143 दिनों के बीच खेले गए 18 मैचों में कोई जीत हासिल नहीं कर सकी। इस सीजन में अपने शुरुआती पांच लीग मैचों में से दो जीतने के बावजूद, एस्पेनयोल तब से पांच गेम बिना जीत के खेल चुका है, जिससे गोंजालेज पर दबाव बढ़ गया है। मंगलवार को स्पेनिश मीडिया ने उनकी नौकरी को खतरे में बताया था, जो सच साबित हुई। एस्पेनयोल ने कहा कि गोंजालेज पहली टीम की कमान संभालने के बाद तीन से ज्यादा सीजन और 107 कॉम्पिटिटिव मैचों के बाद जा रहे हैं।

अभिषेक शर्मा बने फिर नंबर-1

आईसीसी रैंकिंग....टेस्ट ऑलराउंडर में जडेजा की बादशाहत खत्म, गेंदबाजी में मार्को यानसेन शीर्ष स्थान पर



टी20 और वनडे रैंकिंग में भी हुए बदलावः

टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में भारत के संजू सैमसन छह स्थान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंच गए। न्यूजीलैंड के फिन एलन ने भी तीन स्थान की छलांग लगाकर 25वां स्थान हासिल किया। टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में न्यूजीलैंड के मिचेल सैंटनर सात स्थान ऊपर चढ़कर सातवें और भारत के अर्शदीप सिंह छह स्थान की छलांग लगाकर 15वें स्थान पर पहुंच गए। वनडे रैंकिंग में भी कई खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी दो स्थान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की सूची में छठे स्थान पर पहुंच गए। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज अजमतुल्लाह उमरजई ने 13 स्थान की छलांग लगाकर सातवां स्थान हासिल किया, जबकि नामीबिया के बर्नार्ड शॉल्टज नौ स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गए। वनडे ऑलराउंडरों की सूची में अफगानिस्तान के अनुभवी मोहम्मद नाबी पांच स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए।

मार्को यानसेन ने जडेजा से छीना नंबर-1 का स्थान

दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन के लिए ताजा रैंकिंग बेहद खास रही। उन्होंने पहली बार अपने करियर में टेस्ट गेंदबाज और टेस्ट ऑलराउंडर की रैंकिंग में नंबर-1 का स्थान हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ग्नेबस्वा में खेले गए दूसरे टेस्ट में यानसेन ने शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने बल्ले से 85 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में पांच विकेट लेकर मैच का रुख बदलने में अहम भूमिका निभाई। दक्षिण अफ्रीका ने यह मुकाबला बड़े अंतर से जीता। इस प्रदर्शन के बाद यानसेन टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में 13 स्थान ऊपर चढ़कर 56वें स्थान पर पहुंच गए। टेस्ट गेंदबाजों की सूची में उन्होंने पांच स्थान की छलांग लगाकर ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क को पीछे छोड़ा। वहीं, टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर पहुंचकर उन्होंने रवींद्र जडेजा का लंबे समय से चला आ रहा शीर्ष स्थान छीन लिया। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज डेल स्टेन हाल ही में यानसेन को ‘दुनिया का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर’ बता चुके हैं।

बावुमा और हार्मर को भी फायदा

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने भी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में चार स्थान की छलांग लगाई है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 179 रन बनाने वाले बावुमा अब दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे इंग्लैंड के कप्तान हेरी ब्रूक हैं। टेस्ट गेंदबाजों की सूची में ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड तीन स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर साइमन हार्मर टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में 15 स्थान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर आ गए।

अभिषेक ने वैभव की जमकर की तारीफ

नई दिल्ली। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बताया कि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 से पहले नेट सेशन के दौरान बॉलीवुड फिल्म ‘भाग मिल्खा भाग’ का एक मशहूर डायलॉग दोहराया था। इसके बाद उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और भारत को सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई। सूर्यवंशी ने अभिषेक से कहा कि वह फिल्म के मशहूर डायलॉग - ‘भैया, खेलूंगा भी वैसे ही’ - से प्रेरित होकर बिल्कुल निडर होकर बल्लेबाजी करेंगे। 15 साल के वैभव ने अपनी बात को सच साबित करते हुए सिर्फ 19 गेंदों पर 45 रनों की आक्रामक पारी खेली। इससे अभिषेक को भी खुलकर खेलने का मौका मिला और उन्होंने 38 गेंदों पर शानदार 113 रन बनाए। भारत ने न्यूजीलैंड के 199 रनों के लक्ष्य को महज 13.2 ओवर में हासिल कर लिया और मंगलवार को हेनरी स्टेटियम में तीसरा टी20 6 विकेट से जीता। मैच के बाद बीसीसीआई द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर शेयर किए गए वीडियो में अभिषेक ने सूर्यवंशी के साथ हुई अपनी बातचीत को याद किया और इस युवा खिलाड़ी की आक्रामक सोच की तारीफ की। अभिषेक ने कहा, ‘क्ल नेट्स में वैभव ने मुझसे कहा था कि वह ‘भाग मिल्खा भाग’ फिल्म के डायलॉग ‘भैया, खेलूंगा भी वैसे ही’ की तरह ही बल्लेबाजी करेंगे।’ बाएं हाथ

के बल्लेबाज अभिषेक ने यह भी बताया कि कैसे ओपनिंग ओवर में सूर्यवंशी के निडर रवैये ने दूसरे छोर पर खड़े बल्लेबाज का आत्मविश्वास बढ़ाया, खासकर तब जब वह न्यूजीलैंड के मुख्य तेज गेंदबाज का सामना कर रहे थे। अभिषेक ने कहा, ‘जब टीम 190-200 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा कर रही होती है और सामने विपक्ष का मुख्य तेज गेंदबाज गेंदबाजी कर रहा हो, तब ओपनर को आक्रामक खेल दिखाना पड़ता है। मैं दूसरे छोर पर था और मैंने वैभव को बल्लेबाजी करते देखा। इससे नॉन-स्ट्राइकर बल्लेबाज का जोश बढ़ जाता है। मैं खास तौर पर वैभव की तारीफ करना चाहूंगा। इस मुकाबले में उन्होंने जो प्रदर्शन किया, वह टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा। इस जीत का काफी श्रेय उद्धे जाता है।’ ओपनिंग जोड़ी ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाईं। पावरप्ले में भारत ने बिना कोई विकेट खोए 118 रन बनाए, जो पुरुषों के टी20 इंटरनेशनल में पहले छह ओवरों में किसी भी टीम का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। भारत ने सिर्फ 2.2 ओवर में ही 50 रन पूरे कर लिए, जो इस फॉर्मेट में सबसे तेज टीम फिफ्टी की बराबरी है। इसके बाद पांच ओवर में ही टीम 100 रन के पार पहुंच गई। अभिषेक ने टीम की निस्वार्थ सोच की भी तारीफ की।

ब्रिस्बेन हीट में यास्तिका भाटिया ने इंडर्ड जेस जोनासेन की जगह ली



ब्रिस्बेन। भारत की विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ऑस्ट्रेलिया की महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में वापसी करेंगी। ब्रिस्बेन हीट ने उन्हें चोटिल जेस जोनासेन की जगह साइन किया है। यास्तिका, जिन्होंने डब्ल्यूबीबीएल 10 के दौरान मेलबर्न स्टार्स का प्रतिनिधित्व किया था, डब्ल्यूबीबीएल 12 के लिए ब्रिस्बेन की तीसरी विदेशी साइनिंग और इस साल के कॉम्पिटिशन में एकमात्र भारतीय क्रिकेटर बनीं। 25 साल की इस खिलाड़ी के रिविचार को ड्रमोयन ओवल में सिडनी थंडर के खिलाफ अपने दूसरे मैच से पहले टीम से जुड़ने की उम्मीद है और वह बाकी टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध रहेंगी। वह इस कैपेन के लिए ब्रिस्बेन की विदेशी टीम में इंग्लैंड की स्पिनर सारा ग्लेन और आयर्लैंड की ऑल-राउंडर ओर्ला प्रेंडरगैस्ट के साथ शामिल होंगी।

मैं इंटरनेशनल अनुभव लेकर आई हूँ। हीट के हेड कोच मार्क सोरेल ने कहा यास्तिका के टीम से जुड़ने पर कहा, ‘टूर्नामेंट के इतने करीब इतने अच्छे, अनुभवी इंटरनेशनल खिलाड़ी को साइन कर पाना हमारे लिए बहुत बड़ी बात है। हम बैशक जेस जोनासेन को मिस करेंगे, लेकिन अपनी बैटिंग लाइन-अप में एक और मजबूत स्कोरिंग लेफ्ट-हैंडर को लाना सुकून देने वाला है। यास्तिका को ऑस्ट्रेलिया और एलन बॉर्डर फील्ड में खेलने का अच्छा अनुभव है। हमें विश्वास है कि वह गुप में अच्छी तरह से फिट हो जाएंगी।

ख़बरों की तह तक

निडर और निष्ठा

देवधर, गुरुवार, 29 अक्टूबर, 2026

10

स्टेन वावरिका ने टेनिस को ‘अलविदा’ कहा, 3 बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन रहे

बेसल। स्विट्जरलैंड के स्टेन वावरिका ने टेनिस को अलविदा कह दिया है। 41 साल के इस दिग्गज ने घरेलू टूर्नामेंट, स्विस इंडोर्स बेसल में जिरी लेहेका से हार के बाद टेनिस को गुड बाय कहा। स्टेन वावरिका एक हाथ के बैकहैंड के लिए मशहूर रहे। उनके नाम तीन ग्रैंड स्लैम सिंगल खिताब, ओलंपिक गोल्ड और डेविस कप खिताब है। उन्होंने 590 टूर-लेवल जीत हासिल कीं। वावरिका 2014 में एटीपी रैंकिंग में करियर के सबसे ऊंचे नंबर 3 पर पहुंचे और 16 टूर-लेवल टाइटल हासिल किए। वावरिका ने अपने करियर के तीनों ग्रैंड स्लैम खिताब उस समय के दुनिया के नंबर एक खिलाड़ियों को हराकर जीता था। 2014 में वावरिका ने स्पेन के राफेल नडाल को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। इसके बाद 2015 में नोवाक जोकोविच को हराकर उन्होंने फ्रेंच ओपन और 2016 में नोवाक जोकोविच को ही हराकर यूएस ओपन का खिताब जीता था। रोजर फेडरर, नडाल और जोकोविच वाले ‘बिग थ्री’ दौर का हिस्सा रहे वावरिका ने अपना करियर 590 टूर-लेवल जीत जीतकर खत्म किया। 2014 में मोंटे-कालों में अपना अकेला एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन वावरिका ने हमवतन और दिग्गज रोजर फेडरर को हराकर जीता था। वावरिका ओलंपिक में अपने देश के लिए गोल्ड जीत चुके हैं। 2008 में चीन के बीजिंग में आयोजित ओलंपिक में उन्होंने पुरुष डबल्स में रोजर फेडरर के साथ जोड़ी बनाकर गोल्ड मेडल जीता था। इसके बाद दोनों ने 2014 में स्विट्जरलैंड के लिए पहला डेविस कप जीता था। वावरिका ने एटीपी टूर डॉट कॉम को बताया, ‘पिछले 20 सालों में एक खिलाड़ी के तौर पर मेरे बारे में अलग-अलग सोच रही है। मैं अपने करियर में बस इतना चाहता था कि अपना शत प्रतिशत दू, हमेशा लड़ू, कोई पछतावा न हो। अपने लिए, विरोधी के लिए, टूर्नामेंट के लिए, फैंस के लिए, सबके लिए सम्मान के साथ रहा।’

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●

●



एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर ने टीवी शो 'वसुधा' के बारे में दी अपडेट

टीवी एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर इन दिनों अपने शो 'वसुधा' में देव और वसुधा की शादी के ट्रैक को लेकर एक्साइटेट हैं। जी टीवी के इस शो में दोनों की जिंदगी एक नया मोड़ लेने जा रही है। खास बात यह है कि इस बार वसुधा को चंद्रिका की मंजूरी भी मिल रही है। शो में देव का किरदार अभिषेक शर्मा निभा रहे हैं, जबकि वसुधा के रोल में प्रिया ठाकुर नजर आ रही हैं। शादी के इस ट्रैक को लेकर प्रिया ने बताया कि पर्दे पर दुल्हन बनना उन्हें हमेशा पसंद रहा है, हालांकि भारी लहंगे, जूली और घंटों तक शूटिंग करना आसान नहीं होता। शो में देव और वसुधा की शादी पहले भी हो चुकी है, लेकिन इस बार उनकी शादी का मतलब दोनों के लिए काफी अलग है। इसकी सबसे बड़ी वजह चंद्रिका का वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करना है। दर्शक लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रहे थे और अब पूरे परिवार को दोनों के रिश्ते का जश्न मनाते देखना उनके लिए खास होगा। शादी के ट्रैक के बारे में बात करते हुए प्रिया ने कहा, 'दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे कि चंद्रिका वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करें। मुझे लगता है कि यही बात इस शादी को खास बनाती है। भले ही देव और वसुधा की पहले भी शादी हो चुकी है, लेकिन इस बार चंद्रिका की मंजूरी और आशीर्वाद के साथ पूरा परिवार उनके रिश्ते का जश्न मना रहा है। सभी को उनके लिए खुश होते देखना हमारे लिए भी खास पल है और उन फैस के लिए भी, जो लंबे समय से देव और वसुधा को इस तरह एक होते देखना चाहते थे।' प्रिया ने कहा, 'शो में शादी से जुड़े कई शानदार फंक्शन दिखाए गए हैं और यह उन सभी फैस के लिए एक छोटा सा तोहफा है, जिन्होंने देव और वसुधा के सफर में उनका साथ दिया है। शादी के ट्रैक की शूटिंग हमेशा मजेदार होती है, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियां भी आती हैं। भारी कपड़े, जूली और सेट पर लंबे समय तक काम करना आसान नहीं होता। मुझे स्क्रीन पर दुल्हन बनना हमेशा पसंद रहा है।



म्यूजिकल लव स्टोरी में बनी आदित्य रॉय कपूर और तारा सुतारिया की जोड़ी

बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर और अभिनेत्री तारा सुतारिया जल्द ही बड़े पर्दे पर स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आने वाले हैं। दोनों फिल्म निर्माता भूषण कुमार की आगामी इंटेंस म्यूजिकल लव स्टोरी में लीड रोल प्ले करते हुए दिखाई देंगे। इस फिल्म का निर्देशन मिलाप मिलन जावेरी करेंगे। वहीं, शिव चानना को-प्रोड्यूसर के तौर पर फिल्म से जुड़े हैं। बता दें कि यह फिल्म प्यार, भावनाओं और संगीत से भरपूर होने वाली है। खास बात यह है कि दर्शकों को आदित्य और तारा की नई ऑनस्क्रीन जोड़ी देखने को मिलेगी।

पहली बार साथ नजर आएंगे

आदित्य और तारा

आदित्य रॉय कपूर बॉलीवुड में अपनी रोमांटिक फिल्मों के लिए खास पहचान रखते हैं। 'आशिकी 2' जैसी फिल्म में उनके अभिनय और रोमांटिक अंदाज को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। वहीं तारा सुतारिया भी अपनी खूबसूरती, अभिनय और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाती हैं। ऐसे में दोनों को एक इंटेंस म्यूजिकल लव स्टोरी में साथ देना दर्शकों के लिए दिलचस्प होगा।

टी-सीरीज के साथ तारा का तीसरा प्रोजेक्ट

इस प्रोजेक्ट में तारा 'मरजावा' के बाद भूषण कुमार और मिलाप मिलन जावेरी के साथ फिर से काम कर रही हैं। उन्होंने पहले भी टी-सीरीज के साथ 'एक विलेन रिटर्न्स' में काम किया



साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'जॉन डो' में अर्जुन दास निभाएंगे 'चंद्र' का किरदार

तमिल सिनेमा के उभरते सितारे अर्जुन दास निर्देशक मधुमिता की आगामी साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'जॉन डो' में 'चंद्र' नाम का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म निर्माताओं ने इसका खुलासा किया। अर्जुन दास ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म से जुड़ा अपना फर्स्ट लुक पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'नान पोधुमा? (वया मैं पर्याप्त हूँ?)' यह एक सवाल है जो चंद्र को लगातार परेशान करता है। शायद यह वह सवाल है जो हम सभी ने कभी न कभी खुद से पूछा है। उसकी तलाश में कहीं न कहीं मुझे खुद का भी एक हिस्सा मिला। 'जॉन डो' की दुनिया के चंद्र से मिलिए। यह फिल्म नवंबर में आपके एजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।' उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म का लेखन और निर्देशन मधुमिता ने किया है। फिल्म का निर्माण अर्का मीडिया वर्क्स ने किया है और इसे एजीएस सिनेमाज प्रस्तुत कर रही है। फिल्म में संचना नटराजन मुख्य

अभिनेत्री की भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा श्रुति, जारा विनीत चांधोके और निरव भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म को लेकर दर्शकों और सिनेप्रेमियों में कई कारणों से उत्सुकता बनी हुई है। सबसे खास बात यह है कि अर्जुन दास अपने करियर में पहली बार एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा फिल्म का निर्माण अर्का मीडिया वर्क्स कर रही है, जिसने पैन इंडिया ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बाहुबली' का भी निर्माण किया था। फिल्म को शोभू यारलागुडा और प्रसाद देविनेनी प्रोड्यूस कर रहे हैं। किशोर केदारी और मधुमिता इसके सह निर्माता हैं, जबकि सोम्या शर्मा क्रिएटिव प्रोड्यूसर की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। फिल्म की तकनीकी टीम भी काफी मजबूत मानी जा रही है। इसका संगीत प्रसिद्ध संगीतकार मुजीब माजीद ने तैयार किया है, जबकि अतिरिक्त संगीत द आर्टिस्ट 404 ने दिया है। फिल्म की कहानी

और पटकथा मधुमिता और निकोलस शेवेलियर ने मिलकर लिखी है। सिनेमेटोग्राफी प्रीथा जयरामन ने की है और संपादन विजय वेंकटरमणन ने संभाला है। फिल्म के एक्शन सीक्वेंस दिनेश सुब्बारायन और एक्शन संतोष ने तैयार किए हैं। प्रिया करन और प्रिया हेरी ने कॉस्ट्यूम डिजाइन किए हैं, जबकि अश्विनी काले ने प्रोडक्शन डिजाइन का काम संभाला है। सुत्रों के अनुसार, फिल्म लगभग तैयार है और निर्माता इसे इस साल नवंबर में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

एक्टिंग और प्रोडक्शन से भी आगे बढ़ गया है।

मॉन्स्टर



उदिति सिंह के साथ रिश्ते को शादी तक ले जाना चाहते थे करण वाही

बिग बॉस 20 में उदिति सिंह लगातार एक्टर करण वाही के साथ अपने पुराने रिश्ते को लेकर बात करती रहती हैं। वह शो में अपने ब्रेकअप की वजह भी बता चुकी हैं। साथ ही, उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि करण ने उनके साथ बुरा बर्ताव किया था और उनके डींगी को भी गलत तरीके से ट्रैट किया था। अब करण वाही ने इस पूरे मामले पर खुद चुप्पी तोड़ी है। एक्टर ने चौकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि वह इस रिश्ते को शादी तक ले जाना चाहते थे। करण ने उन अटकलों पर भी विराम लगाया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि ब्रेकअप से पहले दोनों की शादी होने वाली थी।

करण वाही ने बातचीत में उदिति सिंह के साथ अपने रिश्ते और ब्रेकअप की वजह पर बात की। उन्होंने बताया कि जब दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया, तब वह करीब 33 साल के थे और जिंदगी के उस पड़ाव पर थे, जहां किसी रिश्ते में आने से पहले उसके भविष्य के बारे में सोचना जरूरी मानते थे। करण के मुताबिक, वह इस रिश्ते को शादी तक ले जाने के इरादे से आगे बढ़े थे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं था कि दोनों की शादी की तारीख या कोई पक्की योजना तय हो चुकी थी।

शादी का इरादा था, लेकिन कोई पक्की योजना नहीं थी

करण वाही ने बताया कि उदिति को डेट करते समय उनके मन में शादी का विचार था। उन्होंने कहा, 'जब मैंने उन्हें डेट करना शुरू किया, तब मैं 33-34 साल का था। इसलिए, मैं ऐसी उम्र में था जहां मेरा सोचना था कि अब अगर मैं किसी रिश्ते में आता हूँ, तो वह शादी में बदलना चाहिए। वरना, मुझे ऐसा कोई रिश्ता नहीं चाहिए।' करण ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके रिश्ते को लेकर शादी की योजना बनने की खबरें सही नहीं थीं। लॉकडाउन के दौरान दोनों ने साथ समय बिताया था और अपने भविष्य को लेकर बातचीत भी की थी, लेकिन इसे शादी तय होने के रूप में देखना गलत होगा। एक्टर ने कहा कि उनका इरादा रिश्ते को शादी तक ले जाने का था, जिसे लोगों ने शायद इस तरह समझ लिया कि दोनों जल्द शादी करने वाले थे।

करण वाही ने ब्रेकअप की वजह पर की बात

उदिति सिंह से अलग होने के कारण पर बात करते हुए करण ने कहा कि दोनों एक-दूसरे के साथ उतने

अनुकूल नहीं थे। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि हम एक-दूसरे के साथ उतने कम्पैटिबल नहीं थे। कम से कम मेरे लिए तो यही सच है।' करण ने उन अटकलों को भी खारिज किया कि उनके माता-पिता के दखल या आपत्ति की वजह से रिश्ता खत्म हुआ था। दोनों की उम्र में करीब 10 साल का अंतर भी उनके रिश्ते को लेकर चर्चा का विषय रहा था, लेकिन करण ने इसे ब्रेकअप की वजह साफ नहीं की।

उदिति के लिए मन में नहीं है कड़वाहट

करण वाही ने बातचीत में यह भी साफ किया कि उदिति से अलग होने के बाद उनके मन में कोई कड़वाहट नहीं है। भले ही उनका रिश्ता शादी तक नहीं पहुंच पाया, लेकिन वह बीते समय को लेकर कोई शिकायत नहीं रखते। करण ने उदिति के प्रति सकारात्मक भाव जाहिर करते हुए कहा कि वह उनके लिए खुश हैं। करण के इस बयान के बाद उनके और उदिति के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाओं में एक नया पहलू सामने आया है। एक्टर ने स्पष्ट किया कि रिश्ता शादी के इरादे से शुरू हुआ था, लेकिन दोनों के बीच अनुकूलता की कमी के कारण वह आगे नहीं बढ़ पाया।



